दैनिक
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com रायपुर, शुक्रवार 16 अप्रैल 2021, शुक्लपक्ष-चतुर्दशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-68 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

महाराष्ट्र से राज्य में आने वालों की जांच जरूरी : राज्यपाल

कोरोना संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए हर संभव किए जा रहे उपाय: सीएम बघेल

- बचाव के लिए लोगों को जागरूक करने में राजनीतिक दल भी अपना योगदान दें
- रेमडेसीविर इंजेक्शन के उचित उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाएं
- राज्य में ऑक्सीजन की कोई कमी नही है
- वैक्सीनेशन और टेस्टिंग दोनों में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय औसत से बेहतर

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जनजागरण में राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रमुखों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से गांव-गांव में इस बीमारी से बचाव के उपायों के बारे में लोगों को जागरूक करें। राज्यपाल आज राज्य में कोरोना संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के संबंध में विचार विमर्श के लिए आयोजित सर्वदलीय वर्चुअल बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

रेमडेसीविर इंजेक्शन के बारे में आम जनता को जागरूक करे : उइके

राज्यपाल ने कहा कि राज्य में कोरोना संक्रमण के विस्तार को रोकने के लिए सीमावर्ती महाराष्ट्र राज्य से आए लोगों की जांच किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य की सीमा पर प्रबंध किया जाना चाहिए और क्वारेंटाईन सेंटर बनाए जाने चाहिए। उन्होंने रेमडेसीविर इंजेक्शन के उचित उपयोग के बारे में लोगों को जागरूक करने की जरूरत बताई। राज्यपाल ने कहा कि अकेली राज्य सरकार के लिए कोरोना महामारी से निपटना काफी कठिन है। इस महामारी से निपटना हम सब का सामूहिक दायित्व और कर्तव्य है। हम सभी एकजुट होकर इस संकट से उबरने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक राहत और सुविधाएं पहुंचाने में राजनीतिक दल शासन-प्रशासन के साथ मिलकर काम करें। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संकट के इस समय में मानव जीवन को बचाने का प्रयास करें।

टीकाकरण और टेस्टिंग राष्ट्रीय औसत से बेहतर

कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण और टेस्टिंग में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सीमावर्ती इलाकों में विशेष अभियान चलाकर टेस्टिंग और इलाज की व्यवस्था की जाएगी। प्रदेश में 88 प्रतिशत हेल्थ वर्कर्स को टीके की पहली डोज तथा 58 प्रतिशत हेल्थ वर्कर्स को दूसरी डोज दी जा चुकी है। इसी तरह 84 प्रतिशत फ्रंट लाईन वर्कर्स को प्रथम डोज तथा 48 प्रतिशत को दूसरी डोज दी जा चुकी है। इसी तरह 45 वर्ष से अधिक आयु वाले 61 प्रतिशत लोगों को टीके लगाए गए हैं। टेस्टिंग के संबंध में उन्होंने जानकारी दी कि राष्ट्रीय स्तर पर जहां प्रति 10 लाख पर एक लाख 92 हजार 650 टेस्ट किए जा रहे हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में प्रति 10 लाख पर दो लाख 21 हजार 356 टेस्ट किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रतिदिन 53 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं।

लक्षण दिखने पर टेस्ट कराए : सीएम

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य सरकार कोरोना संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए हर संभव उपाय कर रही है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे कोरोना के लक्षण दिखने पर लोगों को जल्द से जल्द टेस्ट कराने के लिए जागरूक करें। जब तक टेस्ट की रिपोर्ट नही आ जाती, तब तक संक्रमित व्यक्ति स्वयं को आइसोलेट रखें और रिपोर्ट आने के बाद इलाज प्रारंभ करें। उन्होंने लोगों को मास्क का उपयोग करने, फिजिकल डिस्टेंस और हाथों की साफसफाई का ध्यान रखने के संबंध में भी जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शासकीय अस्पतालों में मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है।

शासकीय और निजी अस्पतालों में 815 वेन्टीलेटर उपलब्ध

उन्होंने बताया कि आरटीपीसीआर और ट्रू नॉट लैबो की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। आरटीपीसीआर टेस्ट के लिए वर्तमान में 7 शासकीय और 5 निजी क्षेत्र में लैब हैं। इसी तरह 31 शासकीय ट्रू नॉट लैब और 5 लैब निजी क्षेत्र में हैं। शासकीय और निजी अस्पतालों में 815 वेन्टीलेटर उपलब्ध हैं। प्रदेश में बिस्तरों की संख्या, आईसीयू बेड, ऑक्सीजन युक्त बेड की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। मेडिकल स्टॉफ की भर्ती की जा रही है। साथ ही सभी जिलों को कोविड प्रबंधन के लिए लगातार राशि उपलब्ध कराई जा रही ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

इस समय हमारा देश भीषण संकट से गुजर रहा है। कोरोना की दूसरी लहर सुनामी बन गई है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दलों को एक दूसरे पर कीचड़ उछालना बंद कर दलगत भावना से ऊपर उठना होगा और एक जुटता प्रदर्शित करनी होगी। इस बार कोरोना के कारण जो भयावह स्थिति बनी है उससे निपटने के लिए समवेत प्रयास करना चाहिए। हमारे जनप्रतिनिधि और कुछ नहीं कर सकते तो इतना जरूर कर सकते है कि सांसद से लेकर पार्षद तक तमाम माननीय अपने कुछ माह का वेतन पीएम और सीएम राहत कोष में जमा करें। ताकि आवश्यक संसाधन जुटाएं जा सकें।

खास-खबर

कोरोना : दिल्ली में हर सप्ताहांत लागू होगा कर्फ्यू

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने हर सप्ताहांत में कर्फ्यू लागू करने की घोषणा की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। दिल्ली में शुक्रवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक के लिए सप्ताहांत कर्फ्यू लगाने की घोषणा की गयी है। राजधानी में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से जारी किए गए दिशा-निर्देशों के मुताबिक सप्ताहांत में कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के अलावा शादी समारोह में शामिल होने वाले लोगों के लिए कर्फ्यू पास जारी किए जायेंगे।

आचार संहिता के उल्लंघन के लिए कोहली को फटकार

चेन्नई (वार्ता)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान विराट कोहली को यहां बुधवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी वेंगलिल नारायण कुट्टी ने फटकार लगाई है। विराट पर आचार संहिता के लेवल 1 के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का आरोप लगा है, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्सचर और अन्य चीजों के दुरुपयोग से संबंधित है। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के मामले में मैच रेफरी का निर्णय ही अंतिम और मान्य होता है। उल्लेखनीय है कि जेसन होल्डर की गेंद 33 रन पर आउट होने के बाद विराट की एक विज्ञापन कुशन के साथ-साथ डगआउट में रखी एक कुर्सी को लात मारने की हरकत टीवी कैमरों में कैद हो गई थी।

रायपुर पहुंची कोविशील्ड की 2 लाख डोज

- चौपर के जरिए 9600 रेमडेसिविर इंजेक्शन इंदौर एयरपोर्ट लाई गई

कोविशील्ड की एक और खेप राजधानी पहुंची है। 17 बॉक्स में पहुंची है वैक्सीन। एक बॉक्स में 1200 वायल्स मौजूद हैं। कोरोना वैक्सीन के करीब 2 लाख डोज पहुंच चुकी है। वहीं दूसरी ओर इंदौर में 9600 रेमडेसिविर इंजेक्शन पहुंची है। 200 बॉक्स में कुल 9600 वैक्सीन हैं। रेमडेसिविर इंजेक्शन के 42 बॉक्स को चौपर के जरिए इंदौर एयरपोर्ट लाया गया है। इनमें से 7 रतलाम और 4 खंडवा पहुंचाया जाएगा। स्टेट प्लेन से 19 बॉक्स ग्वालियर, 18 रीवा भेजे जाएंगे। वहीं इसी स्टेट प्लेन के से 39 बॉक्स जबलपुर और 14 सागर पहुंचाए जाएंगे। 57 रेमडेसिविर इंजेक्शन के बॉक्स इंदौर के लिए रखे जाएंगे। अस्पतालों में रेमडेसिविर इंजेक्शन की मांग बढ़ गई है। कोरोना पेशेंट के लिए ये काफी मददगार साबित हो रही है। इसलिए तेजी से इसकी डिमांड बढ़ने लगी है।

देश में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड दो लाख नए मामले

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में रिकॉर्ड दो लाख नये मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 2,00,739 नये मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 40 लाख 74 हजार 564 हो गयी है। वहीं इस दौरान 93,528 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर अब तक 1,24,29,564 मरीज कोरोना मुक्त भी हो चुके हैं। देश में कोरोना के सक्रिय मामले 14 लाख को पार कर 14,71,877 हो गये हैं। इसी अवधि में 1038 और मरीजों की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,73,123 हो गयी है। देश में रिकवरी दर घटकर 88.31 फीसदी और सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 10.46 प्रतिशत हो गयी है, जबकि मृत्युदर घटकर 1.23 फीसदी रह गयी है। महाराष्ट्र कोरोना के सक्रिय मामलों में शीर्ष पर है और राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 19,050 बढ़कर 6,13,635 हो गयी है। इस दौरान राज्य में 39,624 और मरीज स्वस्थ हुए, जिसे मिलाकर कोरोना को मात देने वालों की तादाद 29,05,721 पहुंच गयी है जबकि 278 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 58,804 हो गया है।

विदेशी वैक्सीन के आवेदन पर सिर्फ 3 दिनों में होगा फैसला

- महामारी के खिलाफ लड़ाई होगी आसान

नई दिल्ली। भारत में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सरकार ने भी अपनी नीति बदली है। सरकार ने गुरुवार को कहा कि भारत का औषधि नियामक विदेश में निर्मित टीकों के सीमित आपात इस्तेमाल के लिए आवेदन मिलने के तीन दिन के भीतर इस पर फैसला कर लेगा।

केंद्रीय औषधि प्राधिकरण, सीडीएससीओ आपात स्थिति में सीमित इस्तेमाल के वास्ते मंजूरी के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्रों (कोविड-19 रोधी टीका के मामले में उत्पाद और उसके पंजीकरण, निर्माण स्थल) और आयात लाइसेंस के लिए आवेदन दिए जाने से तीन कामकाजी दिन के भीतर इस पर विचार करेगा।

केंद्र सरकार ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) या अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन या जापान में नियामकों की मंजूरी प्राप्त कोरोना वायरस के सभी टीकों को त्वरित मंजूरी देने के फैसला किया था। इसके ■ शेष पृष्ठ 6 पर

वेंकैया बोले एक साल से कोरोना के खिलाफ चल रहा अभियान

लखनऊ (वार्ता)। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं देश के समस्त राज्यपालों के साथ कोविड-19 के 'वैक्सीन उत्सव' के संबंध में बैठक हुई, जिसमें उप राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले एक साल से कोविड के खिलाफ देश व्यापी अभियान चल रहा है, जिसमें हमने सफलता भी पायी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 का दूसरा स्ट्रेन देश में तीव्र गति से बढ़ रहा है। जिस पर हमें काबू पाने के लिये सभी सुरक्षात्मक उपायों के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने सभी राज्यपालों से अपील की कि वे राजनीतिज्ञ दलों, धर्मगुरूओं, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, महापौरों के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर कोरोना के नियंत्रण के सामूहिक प्रयास करें तथा कोविड टीकाकरण के कार्य को गति प्रदान करें और लोगों से सुरक्षात्मक उपायों के साथ-साथ अनिवार्य रूप से मास्क लगाने के लिए प्रेरित करें, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से भी जागरूकता अभियान चलाया जाए।

वैज्ञानिक पर जासूसी मामले में सीबीआई जांच का आदेश

नई दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिक नम्बी नारायणन पर 1994 में लगे जासूसी के आरोप और उसके बाद हुई उनकी प्रताड़ना के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जाँच के आदेश दिए हैं। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने न्यायमूर्ति डी. के. जैन समिति की रिपोर्ट स्वीकार की और सीबीआई को आगे इस मामले की जाँच करने को कहा।

जल्द भिलाई, राउरकेला व देवरी से ऑक्सीजन की आपूर्ति-शिवराज

रायपुर/भोपाल (वार्ता)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश को भिलाई, राउरकेला और देवरी से लगभग 450 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति पर सहमति हुई है। श्री चौहान ने प्रदेश को ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार का आभार माना है। उन्होंने कहा है कि केन्द्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल एवं इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से प्रदेश को ऑक्सीजन आपूर्ति का आग्रह किया गया था। उनके प्रयासों से प्रदेश को भिलाई, राउरकेला और देवरी से लगभग 450 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति पर सहमति हुई। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन के परिवहन के लिए युद्ध स्तर पर व्यवस्थाएँ की जा रही हैं, जिसमें निजी क्षेत्र का सहयोग भी लिया जा रहा है।

श्री चौहान ने कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। बुधवार की शाम को 10 हजार इंजेक्शन प्राप्त हुए। निजी अस्पताल अपने स्त्रोतों से इंजेक्शन मंगवा रहे हैं। राज्य शासन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

चारा घोटाले में लालू की जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई आज

रांची। चारा घोटाले में सजायाफ्ता लालू प्रसाद यादव की जमानत पर 16 अप्रैल को हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। यह मामला नौ अप्रैल को भी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था। सीबीआई ने जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की थी। उसे अदालत ने स्वीकार कर लिया था। दुमका कोषागार से अवैध निकासी के मामले में लालू प्रसाद ने जमानत के लिए आधी सजा पूरी करने का दावा करते हुए याचिका दायर की है। इस मामले में सीबीआई की अदालत ने लालू प्रसाद को सात-सात साल की सजा दो अलग-अलग धाराओं में सुनायी है। लालू के वकील ने दावा किया कि वे आधी सजा पूरी कर चुके हैं, जबकि सीबीआई का दावा है कि लालू प्रसाद की आधी सजा अभी पूरी नहीं हुई है।

भविष्य की चुनौतियों से निपटने की रणनीति बनाये वायु सेना: राजनाथ

नई दिल्ली (वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्वी लद्दाख में उत्पन्न चुनौती से निपटने के लिए वायु सेना दिखाई गयी मुस्तैदी की सराहना करते हुए कहा है कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए दीर्घकालिक रणनीति तथा योजना का खाका तैयार किया जाना चाहिए। शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह अच्छा संयोग है कि सम्मेलन मार्शल ऑफ द एयर फोर्स अर्जन सिंह की जयंती के मौके पर हो रहा है। उन्होंने कहा यह खुशी की बात है कि वायु सेना ने पिछले वर्ष पूर्वी लद्दाख में अचानक उत्पन्न घटनाओं का तुरंत और करारा जवाब दिया। उन्होंने सलाह दी कि कमांडरों को भविष्य में इस तरह के खतरों से निपटने के लिए दीर्घावधि योजना तथा रणनीति बनानी चाहिए जिसके आधार पर क्षमता निर्माण किया जा सके।

मिली भगत — **मरीजों को कैशलेस बिना नकद भुगतान के उचार करने की योजना**

'कैशलेस' बीमा कंपनी और अस्पतालों की मिली भगत, नहीं कर रहे भर्ती

भिलाई/नवप्रदेश। जिला काँग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष राकेश मिश्रा ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू को पत्र लिख कर प्रदेश मे बीमा कंपनियों व अस्पताल प्रबंधन द्वारा जनता के साथ किये जा रहे भेद भाव पर उचित कार्यवाही करने की मांग की है । श्री मिश्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य मे देश भर की बीमा कंपनी द्वारा राज्य की भोली-भाली जनता से लुभावने वादे कर विभिन्न योजनाओं मे करोड़ो रूपये लगवाकर का भारी भरकम व्यापार कर रही है। ऐसी ही एक योजना उपभोक्ता को (कैशलेस) बिना नगद भुकतान के उपचार करने का भी है।

बड़ी बीमा कंपनी छत्तीसगढ़ की जनता को लुभावने अस्वासन देकर इसी योजना में पंजीकृत कर करोड़ो रूपये का कारोबार कर रही। आज के वर्तमान परिस्थि में जब उपभोक्ता कोरोना महामारी से परेशान हो कर अस्पताल पहुचता है तब देखा यह जा रहा है कि बीमा कंपनी और अस्पताल प्रबंधन आपस मे मिली भगत कर जनता को बिना नगद भुकतान के अस्पताल मे भर्ती नहीं कर रहे। जब कोरोना का मरीज़ अस्पताल मे अपना कैशलेस बीमा का दस्तावेज प्रतुत करता है तो अस्पताल प्रबंधन उसे भर्ती करने से मना कर रहे । श्री मिश्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक मरीज़ अस्पताल मे नगद जमा नही करते तब तक अस्पताल प्रबंधन द्वारा प्राथमिक उपचार शुरू किया जा रहा है।

राकेश मिश्रा ने शंका जाहिर करते हुए कहा कि ऐसा शायद वे इसलिए भी कर रहे है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा कोरोना मरीज़ के उपचार मे जो बिल लगा कर जनता से पैसा वसूली कर रहे है वो आगे जा कर बीमा कंपनी के द्वारा रकम का भुकतान ही नही करेगा।

मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भोली भाली जनता देश के इन नामी गिरामी बीमा कंपनियों से शायद ही अपने रकम की वसूली कर पायेगी और जनता दोनों तरफ से ठगी का शिकार हो रही है। राकेश मिश्रा ने कहा कि माया जाल में फस कर अपने और परिवार के सुरक्षा के लिए जहां जनता पहले बीमा कंपनी से लूट रही वही अस्पताल प्रबंधन द्वारा नगद जमा करा कर जो बिल उपचार के लिए दिया जा उसकी भी वसूली किया जाना संभव नही दिख रहा।

जनता अगर इस महमारी से जिंदा बच भी जाए तो भी वो बीमा कंपनी से अस्पताल के बिल व उपचार के आधार पर पैसो की वसूली करने मे बरसों बीत जाने है। राकेश मिश्रा मे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू से अनुरोध किया है कि छत्तीसगढ़ राज्य के सभी अस्पतालों व बीमा कंपनियों को आदेश करेंगे कि जनता द्वारा करवाया गये बीमा के आधार पर कैशलेस उपचार करने का आदेश जारी कर जनता को राहत ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारत में मई से शुरू होगा स्पुतनिक-वी का आयात

नई दिल्ली/ए.। कोरोना वायरस के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच भारत में हाल ही में तीसरी वैक्सीन के आपात इस्तेमाल की भी मंजूरी दे दी गई। इससे जुड़े लोगों के अनुसार रूसी निर्मित कोरोना वैक्सीन स्पुतनिक वी के अगले महीने से भारत में आयात होने की संभावना है। जहां तक भारत में इसके निर्माण की बात है तो इसमें फ़िलहाल जून या जुलाई तक का समय लग सकता है। रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष (आरडीआईएफ) के सीईओ किरिल दिमित्री ने कहा कि भारत में वैक्सीन निर्माण के लिए विभिन्न स्थानीय टाई-अप के माध्यम से जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में शुरू हो सकता है। डॉ. रेड्डीज लैब्स, जिसके पास वैक्सीन वितरण करने का लाइसेंस है, ने मंगलवार को आपातकालीन स्थिति में प्रतिबंधित उपयोग के तहत वैक्सीन के आयात के लिए भारत के ड्रग्स कंट्रोलर की स्वीकृति प्राप्त की। डॉ. रेड्डीज लैब्स के साथ साझेदारी के अलावा, जो स्थानीय रूप से स्पुतनिक वी क्लिनिकल परीक्षण कर रही है और जिसके पास रूसी टीके के वितरण अधिकार है ।

न्यूज गैलरी

आज इंटरव्यू

दुर्ग। जिले में कोविड.19 के संक्रमण के कारण आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिये पुरुष स्वास्थ्यकर्ता (एमपीडब्लू) के पदों पर संविदा भर्ती किया जाना है, जिसके लिए वॉक इन इंटरव्यू 16 अप्रैल को जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित किया गया है। इस हेतु इच्छुक आवेदक अपने संपूर्ण दस्तावेज के साथ निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन वाक इन इंटरव्यू हेतु प्रातः 10:30 बजे सम्मलित हो सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए जिले की वेबसाइट का अवलोकन किया जा सकता है।

बेड उपलब्ध

दुर्ग। जिले में कोविड पाजिटिव एवं कोविड संदिग्ध मरीजों के लिए आक्सीजन बेड की कमी नहीं है। अभी चंदूलाल चंद्राकर कोविड हास्पिटल में 50 आक्सीजन बेड उपलब्ध है। यहाँ 25 बेड का वेंटिलेटर युक्त आईसीयू भी बनाया जा रहा है। आज कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने चंदूलाल कोविड केयर हास्पिटल का निरीक्षण किया और यहाँ पर व्यवस्था की मानिटरिंग की। उन्होंने अस्पताल प्रबंधकों से मरीजों के परिजनों की काउंसिलिंग की व्यवस्था भी बेहतर रखने के निर्देश दिये ताकि उन्हें समय.समय पर अपडेट्स मिलते रहें।

जोड़ी राशि

दुर्ग। तहसील आफिस के अधिकारियों ने कोरोना काल में लोगों की सेवा के लिए समर्पण के लिए एक अच्छा कार्य किया है। उन्होंने सहयोग राशि जुटाई और दो आक्सीजन कंसट्रेटर खरीदे। यह आक्सीजन कंसट्रेटर उन्होंने धमधा केयर सेंटर को दिये हैं। कलेक्टर डॉण् सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे आज धमधा

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

48 घंटे के भीतर निजी अस्पताल अपने 20 प्रतिशत बेड गरीबों के इलाज के लिए खूबचंद बघेल योजना के अंतर्गत करें आरक्षित

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। निजी अस्पताल के प्रबंधकों के साथ हुई बैठक में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने 48 घंटे के भीतर अपने 20 प्रतिशत बिस्तर खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत गरीबों के इलाज के लिए रखने के निर्देश इन प्रबंधकों को दिये। कलेक्टर ने कहा कि यह प्रतिशत सभी तरह के बेड में होगा। मसलन आईसीयू में जितने बेड्स हैं उनकी संख्या का 20 प्रतिशत एचडीयू में जितनी संख्या में बेड हैं उनका 20 प्रतिशत इस तरह से। कलेक्टर ने कहा कि जो अस्पताल अभी इस योजना से इम्पैनल नहीं हैं वे 24 घंटे के भीतर अपना एम्पैनलमेंट करा लें यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया तो इन्हें स्वतः ही इम्पैनल मान लिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि सीएमएचओ इन आरक्षित बिस्तरों के लिए खूबचंद बघेल योजना के हितग्राहियों को भेजेंगे। यदि इस योजना का कोई हितग्राही सीधे ही अस्पताल में पहुँच जाता है तो इसे भर्ती कर सकते हैं लेकिन बाद में इसका एप्रूवल सीएमएचओ से जरूर लेना होगा। कलेक्टर ने कहा कि वेंटिलेटर में भी यह प्रावधान लागू होंगे। मसलन यदि अस्पताल में पाँच वेंटिलेटर हैं तो एक वेंटिलेंटर में इसकी आवश्यकता वाले खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना के हितग्राही का इलाज होगा। यद्यपि 48 घंटे वाले प्रावधान में अस्पताल प्रबंधन को लगता है कि इस अवधि के भीतर वेंटीलेटर उपलब्ध करा पाना संभव नहीं होगा तो वे नोडल अधिकारी से इसकी छूट ले सकते हैं।

कलेक्टर ने कहा कि लाकडाउन की वजह से कई बार मरीज के परिजनों के पास नगद राशि की दिक्कत हो सकती है अतएव अस्पताल प्रबंधन चेक एवं एटीएम कार्ड से भी पेमेंट स्वीकार करें। एमआरपी से अधिक कीमत में बिल्कुल दवा न बेचेंए अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधकों को सख्त निर्देश दिये कि किसी भी सूरत में परिजनों को कोरोना पाजिटिव मरीजों से मिलने नहीं दिया जाए। विजिटिंग अवर न हों। खाना अस्पताल का ही होए बाहर का खाना मरीजों को नहीं दिया जाए। यदि सब्जी वगैरह के लिए किसी तरह की दिक्कत अस्पताल प्रबंधन महसूस करता हो तो प्रशासन इसके लिए समन्वय करेगा।

कलेक्टर ने निजी अस्पताल के प्रबंधकों से कहा कि परिजनों की समय.समय पर काउंसिलिंग करते रहें ताकि उन्हें मरीज के हेल्थ अपडेट के बारे में जानकारी मिलती रहे। नोडल अधिकारी और अस्पताल प्रबंधन बेहतर समन्वय के साथ कार्य करेंए दोनों ही एक दूसरे के सहयोग के लिए हैं। अभी कोविड की कठिन परिस्थिति है और सबको मिलकर काम करते हुए जनता को राहत देते हुए जिले को कोविड से बाहर निकालना है।

पुलिस द्वारा बिना मास्क के घुमने वाले पर कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिला दण्डाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के आदेश पर कोरोना महामारी के संक्रमण को रोकने हेतु जिले में लॉकडाउन लगाया गया है जिसके तारतम्य में प्रशांत ठाकुर, पुलिस अधीक्षक के निर्देश में पुलिस द्वारा लॉकडाउन व महामारी अधिनियम के उल्लंघन करने वालो के विरूद्ध 6 अप्रैल से निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में आज दुर्ग पुलिस द्वारा जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में बिना मास्क के बाहर घुमते हुए पाये गये 112 लोगों पर महामारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर कुल 56000 रुपये अर्थदण्ड वसुल किया गया एवं साथ ही प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये गये मास्क का 127 लोगों को वितरण किया गया। इस प्रकार दण्डात्मक कार्यवाही के साथ आमजन के स्वास्थ्य का भी प्रशासन ध्यान रख रहा है। यह कार्यवाही आगामी लॉकडाउन के 19 अप्रैल तक प्रभावशील रहेगी।

विधायक ने किया सीएम अस्पताल कचांदुर का निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जिले में लगाए गए 6 से 14 अप्रैल के एक्सटेंशन के पहले दिन विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल ने स्व चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल अस्पताल कचांदुर में चल रहे शासकीय कोविड केअर सेंटर का निरीक्षण किया। पिछले दिनों भर्ती मरीजों के परिजनों द्वारा लगातार की गई शिकायतों के बाद श्री वोरा औचक निरीक्षण पर पहुंचे थे जहां प्रभारी व भिलाई निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी व डॉ अनिल शुक्ला ने विधायक व महापौर को सारी व्यवस्था एवं सिस्टम से अवगत कराते हुए बताया कि सीएम मेमोरियल मेडिकल कालेज में चल रहे शासकीय कोविड केयर सेंटर में वर्तमान में लगभग 400 बिस्तरों की व्यवस्था है जिसे लगातार बढ़ाने की प्रक्रिया जारी है। आने वाले किसी भी मरीज को वापस नहीं भेजा जा रहा है एवं लगातार वार्डों की सीसी टीवी कैमरों से मॉनिटरिंग की जा रही है। परिजनों को सूचना देने के लिए प्रतिदिन ना सिर्फ 4 बार गेट के बाहर सूचना चस्पा की जा रही बल्कि फोन नंबर भी जारी किए गए हैं। वोरा ने सीएम मेमोरियल कोविड सेंटर की व्यवस्था में आए सुधार एवं साफसफाई की व्यवस्था पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि जल्द से जल्द ऑक्सीजन बेड बढ़ाने की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाए। उन्होंने अस्पताल के प्रशासनिक प्रभारी ऋतुराज रघुवंशी के कार्यों की तारीफ करते हुए जिला अस्पताल दुर्ग में भी सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए वहां भी सीसी टीवी कैमरे लगा कर लगातार मॉनिटरिंग करने और परिजनों को वस्तुस्थिति से अवगत करवाने की व्यवस्था में सुधार करने को कहा। उन्होंने सीएम अस्पताल कचांदुर के लिए पोर्टेबल बाईपैप (मिनी वेंटिलेटर) मशीन क्रय करने हेतु विधायक निधि से 15 लाख रु स्वीकृत करने की घोषणा भी की। महापौर बाकलीवाल ने अस्पताल की व्यवस्था पर संतोष प्रकट करते हुए लोगों से लॉकडाउन 2 का पालन करने का आग्रह किया।

गृहमंत्री ने निगम के अधिकारियों से की चर्चा

क्षेत्र में कोविड संक्रमण की स्थिति व सैनेटाइजेशन कार्य की ली जानकारी

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत रिसाली निगम के अधिकारियों से फोन पर प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने चर्चा कर निगम क्षेत्र में कोरोना संक्रमण की स्थिति की पूरी जानकारी ली। गृहमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी व कर्मचारी सुरक्षित रहते हुए ड्यूटी करे। निगम क्षेत्र में होम आइसोलेशन के मरीजों को दवाई पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी रखे तथा होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों का स्वास्थ्य संबंधी जानकारी नियमित रूप से ले। वैक्सीनेशन और कान्टेक्ट ट्रेसिंग के कार्य में ढिलाई न बरते। चर्चा के दौरान गृहमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं लोगों की मांग पर आवश्यकता अनुरूप वैक्सीनेशन सेंटर बढ़ाए जाने के भी निर्देश आयुक्त को दिये। उन्होंने ये भी कहा कि जिला प्रशासन व स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए लोगों से लॉकडाउन का अक्षरश पालन करवाएं। इस दौरान गृहमंत्री ने सैनेटाइजेशन कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि संवेदनशील जगहों पर प्रतिदिन सैनेटाइजेशन प्राथमिकता के साथ कराए। गृहमंत्री साहू ने रिसाली निगम के सभी एल्डरमेन और जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा की और उनसे निगम क्षेत्र में कोविड

की स्थिति की जानकारी ली। चर्चा के दौरान उन्होंने ये भी कहा कि कंटेनमेंट जोन में रहने वाले लोगों का सतत रूप से मानिटरिंग करते रहे। होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों का स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ले एवं दवाइयों की डिलीवरी नियमित तौर पर हो यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। इस दौरान निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने गृहमंत्री को कोविड संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु निगम द्वारा किये जा रहे प्रयासो से अवगत कराया।

लॉकडाउन में चोरी छुपे सामान बेचने वालो पर निगम ने की कार्रवाई

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन की अवहेलना करने पर ऐसे लोगों पर सख्ती बरती जा रही है। निगम की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैए आज निरीक्षण के दौरान लॉकडाउन में चोरी छुपे सामान ले जाकर विक्रय करने वालों को पकड़ा गया और अर्थदंड लेकर समझाईश दी गई दोबारा ऐसा न करें अन्यथा उनके खिलाफकानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी के निर्देश पर निगम की मोबाइल टीम लगातार दोनो पालियों में संपूर्ण निगम क्षेत्र का निरीक्षण कर लॉकडाउन के नियमों का पालन कराने मुस्तैदी से कार्य कर रहे है। सड़क पर बेवहज घूमने वालों पर नजर रखी जा रही है तथा बेवजह बहाना बनाकर बाहर निकलने वालो से सख्ती से पूछताछ करते हुए मास्क लगाए है या नहीं जांच की जा रही है। मोबाइल टीम लगातार शहर का भ्रमण कर लोगों को घर पर ही सुरक्षित रहने की अपील भी कर रहे है। लॉकडाउन की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने निगम की मोबाइल टीम घूम.घूम कर निरीक्षण कर रही है। आज टीम सुपेला, नेहरूनगर, रामनगर, शांतिनगर, कृष्णानगर, पॉवरहाउस, केम्प एरिया, सेन्ट्रल एवेन्यू सहित भिलाई निगम के विभिन्न क्षेत्रों निरिक्षण किए एवं लॉकडाउन के नियमों का पालन नहीं करने वाले 15 लोगों से 99 सौ अर्थदंड वसूलने की कार्यवाही किए। निगम की टीम आवश्यक कार्य से बाहर निकलने वाले लोग मास्क लगाए है या नहीं यह भी जांच रहे है। घनी आबादी वाले गली.मोहल्लों का भी निरीक्षण कर लोगों से अपील कर रहे है कि घर पर सुरक्षित रहें और मास्क लगाए रखे तथा अनावश्यक घर से बाहर न निकले। निगम की मोबाइल टीम सभी क्षेत्रों में घूम.घूम कर निरीक्षण कर रहे है। लॉकडाउन के बाद भी कई लोग चोरी छुपे सामान बेचकर लोगों की भीड़ इकटठा कर रहे थे ऐसे लोगों से जुर्माना वसूला गया जिसमें नेहरू नगर के रिन्कू से 2 सौ, नीतेश से 2 सौ, पदुम सोनकर से 5 सौ, कोहका के नरेन्द्र साहू से 1 हजार, सिन्हा परिपार से 2 सौ, शांतिनगर के मुकेश से 2 सौ, रामनगर के सोनू से 2 सौ, सुपेला के पप्पू कुमार से 2 सौ, बनवारी सोनकर से 5 सौ, जितेन्द्र सोनकर 2 सौ, जयराम से 2 सौ, अनिल से 2 सौ, सुपेला के राजेश साव से 2 हजार, सुपेला में अमर से 2 सौ, हुडको के अब्दुल गनी से 3 हजार सहित कुल 15 लोगों पर लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने के कारण 99 सौ अर्थदंड वसूलने की कार्यवाही की गई।

बाबा अंबेडकर की जयंती पर प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

सभी स्थलों के परिसर को किया गया स्वच्छ

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में बीती शाम से लेकर बुधवार की सुबह तक भिलाई निगम क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमाओं की साफसफाई कराई गई और स-सम्मान प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया! बढ़े हुए कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन के चलते अंबेडकर अनुयायियों ने घर पर रहकर 130 वीं जयंती मनाई! निगम आयुक्त श्री ऋतुराज रघुवंशी के निर्देश पर चौक-चौराहों पर स्थापित सभी मूर्तियों व स्थल के आस पास सफाई व धुलाई कराई गई! जहां अंबेडकर के अनुयायियों ने महज कुछ लोगों की उपस्थिति में कोविड नियमों का पालन करते हुए फूल, माला अर्पित करते हुए कैंडल जलाया साथ ही अपने प्रसाद स्वरूप खीर पूरी अर्पण किया गया! डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130 वीं जयंती आज मनाई गई! कोरोना वायरस के रोकथाम के लिए लगाए गई लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए अंबेडकर अनुयायियों ने अपने-अपने घरों में ही बाबा अंबेडकर जी की जयंती मनाई! भिलाई निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर डॉ. अंबेडकर जी की प्रतिमाएं स्थापित है, जहां पर आज सुबह से ही निगम के स्वच्छता अमला पहुंचा और वहां प्रतिमाओं की धुलाई और आसपास की सफाई की, साथ ही परिसर की सफाई कर चूना मार्किंग किया गया!

निगम प्रशासन द्वारा नेहरू नगर, स्मृति नगर, कोसा नगर, अंबेडकर चौक पावर हाउस, जवाहर मार्केट, पावर हाउस, बौद्ध विहार सेक्टर 6, कोसा नगर, वार्ड 04 कृष्णा नगर, वार्ड 36 गौतम नगर, वार्ड 29 बापूनगर, कैंप 1 हाउसिंग बोर्ड सहित अन्य स्थानों में स्थापित प्रतिमाओं की सफाई और माल्यार्पण किया गया!

मोबिला ने लाइफस्टाइल एक्सेसरीज की श्रृंखला बाज़ार में उतारी

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग भिलाई। मोबाइल फोन एक्सेसरीज ब्रांड मोबिला ने 10 वीं वर्षगांठ का जश्न मनाते हुए नए युग के उपयोगकर्ताओं की डिजिटल समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ की अपनी नई शृंखला बाज़ार में उतारी।

कोविड 19 महामारी के इस दौर में, जब तकनीक एक समाधान के रूप में कार्य कर रही है, डिजिटल जीवन रेखा बन गया है, मोबाइल और साउंड एक्सेसरीज़ उत्पादों की यह नई शृंखला लोगों की गैजेट्स के साथ दोस्ती को फिर से परिभाषित करेगी। ये उत्पाद निश्चित रूप से सभी आयु वर्ग के लोगों की बाहरी दुनिया से जुड़े रहने की सारी जरूरतों को पूरा करेंगे।

इस मौके पर मोबिला के को-फाउंडर जिग्नेश शाह ने कहा, *÷हम एक ऐसे बदलाव की कगार पर हैं, जिसके लिए दुनिया कभी तैयार नहीं थी। तकनीक लोगों के बचाव में आ गई है। जहां सोशल डिस्टेंसिंग ने लोगों को अलग रहने के लिए मजबूर किया, प्रौद्योगिकी ने उन्हें एकजुट किया है। स्कूल में ऑनलाइन पढ़ाई हो, घर से काम करना हो, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मनोरंजन हो, हमारा अस्तित्व अब डिजिटल समाधानों पर निर्भर करता है। हमने कोविड -19 के इस समय में लोगों को उनकी ÷हर पल की जरूरत÷ को पूरा करने में मदद करने के लिए आरामदायक, टिकाऊ, लंबे समय तक चलने वाले टीडब्ल्यूएस उत्पादों की बाज़ार में लाने का फैसला किया।

मोबाइल और साउंड एक्सेसरीज़ रेंज को इस युग में पुनर्परिभाषित करते हुए, नई उत्पाद श्रेणी में लोगों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के साथ - साथ दोनों कार्यों में उपयोगिता होगी. उत्पादों की यह उच्च - गुणवत्ता वाली किफायती शृंखला कम से कम 180 दिन की गारंटी के साथ आती है और यह उपभोक्ताओं को एक विकल्प उपलब्ध प्रदान करती है। मोबिला के को - फाउंडर श्री हेतल शाह ने कहा - *÷हम परंपरागत रूप से एक मोबाइल एक्सेसरीज निर्माता के रूप में जाने जाते हैं और हमारी बैटरी अच्छी क्वालिटी की हैं और लम्बे समय तक चलाती हैं। हम अपने सभी स्टेक होल्डर्स के आभारी हैं जिन्होंने हम पर अपना भरोसा दोहराया जब हमने नई जीवन शैली की श्रृंखला जैसे MRock, Mbuds, Clubber आदि को लॉन्च करने का फैसला किया। हमारे 80त्न उत्पादों को भारत में बनाए जाने के साथ, हमें विश्वास है कि स्थानीय स्तर पर हम विश्व स्तरीय उत्पादों का निर्माण कर सकते हैं। उत्पादों की नई श्रेणी के लिए हमारे विश्वास का प्रमाण है। एक मजबूत सेल्स, सर्विस टीम, और चैनल पार्टनर्स के बड़े नेटवर्क के साथ, ब्रांड मोबिला नए बाजारों में प्रवेश करने और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी के पास अब मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन और ब्रांडिंग एक्सपर्ट्स की एक प्रोफेशनल टीम है।

मोबिला ने बाज़ार के ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए एक नए रूप में ढाला है और एक नयी थीम दी है।

कोरोना वायरस.. कलेक्टर के निर्देश पर 50 बिस्तर अस्पताल की व्यवस्था, मरीजों की देखभाल के लिए सुविधाओं का विस्तार

सुपेला अस्पताल में नॉन कोविड मरीजों को मिलेगी चिकित्सा सुविधा

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। लाल बहादूर शास्त्री अस्पताल सुपेला में सुविधाओं में लगातार बढ़ोत्तरी की जा रही है। अस्पताल के प्रभारी डॉ पीयूम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देश पर 50 बिस्तर की व्यवस्था की गई है। यहां कोविड के मरीजों को नहीं रखा जाएगा बल्कि सामान्य मरीज जिन्हें सांस लेने में तकलीफ या ऑक्सीजन लेवल में कमी या अन्य प्रकार की समस्या हो उन्हें भर्ती किया जाएगा। इधर निगमायुक्त ऋतुराज रघुवंशी की लगातार मॉनिटरिंग से सुपेला की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार किया जा रहा है तथा आने वाले लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। निगम द्वारा बढ़ते हुए गर्मी को देखते हुए अस्पताल के वार्डों में कूलर की व्यवस्था की गई है ताकि भर्ती मरीजों को गर्मी से राहत मिल सकेए वहीं रात में आने वाले मरीजों की संख्या को देखते हुए पूरे परिसर में लाइट लगाकर रोशनी के पर्याप्त इंतजाम किये गये है। आयुक्त रघुवंशी द्वारा अस्पताल की व्यवस्था सही करने के लिए अस्पताल प्रबंधन को लगातार निर्देश देकर व्यवस्थाओं में सुधार लाया जा रहा है। सुपेला अस्पताल में कोरोना जांच के लिए आने वाले मरीज जो लाइन में खड़े रहते है उनके लिए छाव प्रदान करने ग्रीन नेट और गर्मी से राहत दिलाने कूलर की व्यवस्था की गई है। जोन 01 के आयुक्त सुनील अग्रहरि ने बताया कि सुपेला अस्पताल में मरीजों व कोरोना जांच के लिए आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई हैए ऐसे में आने वाले मरीजों के लिए गर्मी में परेशानी न हो इसके लिए निगम आयुक्त के निर्देश पर पर्याप्त इंतजाम किये गये है। अस्पताल के वार्ड में सभी कूलरों की मरम्मत कराई गई है तथा आवश्यकता अनुसार 8 नग नये कूलर भी लगाए गए है जिससे भर्ती मरीजों एवं कोविड जांच के लिए आने वाले लोगों को गर्मी से राहत मिल सके। इसके अलावा 10 नग नए सिलिंग पंखा, अस्पताल परिसर के बरामदा, सीढ़िया और हॉल में पर्याप्त रोशनी रहे इसके लिए वायर, केबल, स्विच बोर्ड की रिपेयरिंग कराकर ट्यूबलाइटस लगाए है। परिसर के बाहर रात्रि में रोशनी के लिए बड़े एलईडी लाईट्स लगाए गए है। अस्पताल के वार्डों में अटैच बाथरूम में पाइपलाइन, नल, वॉश बेसिन व फ्लश को रिपेयर कर जरूरत के हिसाब से नया लगाया गया है।

विजिट में आयुक्त पहुंचे स्टेशन मरोदा

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे निगम क्षेत्र में कोविड 19 की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेने एवं लॉकडाउन की जमीनी हकीकत जानने प्रतिदिन सुबह शाम वार्डों में विजिट कर रहे है। इस दौरान वे वार्डों में पहुंचकर लोगों से सूखा खाद्य वितरण से लेकर टीकाकरण सहित जिला प्रशासन के गाइड लाइन का पालन करने हेतु आम लोगों को प्रेरित भी कर रहे है। कल निगम आयुक्त कार्यालयीन काम निपटाकर रात्रि 8 बजे स्टेशन मरोदा क्षेत्र में पहुंचकर लॉकडाउन की मैदानी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने क्षेत्र के सभी चौक चौराहों व सार्वजनिक स्थलों सहित तंग गलियों का भी अवलोकन किया। क्षेत्र में एक जगह पर चैत नवरात्रि के अवसर पर देवी पूजन स्थल पर अकेले बैठे पूजारी को देखकर आयुक्त ने गाड़ी से उतर कर टीकाकरण हेतु प्रेरित किए। इस दौरान आयुक्त ने पूजारी को कोविड 19 की जानकारी देते हुए मंदिर में भक्तों की ज्यादा भीड़ न हो उक्त हेतु जिला प्रशासन के गाइड लाइन का पालन करने की अपील भी किए। क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान निगम नोडल अधिकारी रमाकांत साहू निगम के उपअभियंता हिमांशु कावड़े व गोपाल सिन्हा भी उपस्थित थे।

निधन

निरुपम्प दत्ता

भिलाई (नवप्रदेश)।

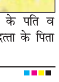

निरुपम्प दत्ता सेक्टर-8 भिलाई निवासी का आज निधन हो गया। वे भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारी थे। वे रानी दत्ता के पति व अंशुल व शिवम दत्ता के पिता थे।

न्यूज गैलरी

सरकार कोरोना घटाने में कम चुनावी प्रत्याशियों की आवभगत में ज्यादा

रायपुर। छत्तीसगढ़ कोरोना पेसेंट के मामले में सबसे ऊपर है । प्रतिदिन 15 हजार से ऊपर मामले आ रहे है , सैकड़ों की रोजाना अकाल मृत्यु हो रही है , पर सरकार की चिंता चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की नही है , सरकार की चिंता तो असम से आये हुए 25 ,30 प्रत्याशी की है , जिन्हे सरकार ने चित्रकोट के रेस्ट हाउस में रुकवाया गया है और उनकी आवभगत करने में है उनके सत्कार में है ,उनके पर्यटन में है सरकार का तंत्र बस उनकी खातिरदारी में लिप्त है। मंत्री, सांसद, विधायक सेवा में लगे हुए हैं , जबकि पूरे बस्तर में धारा 144 लगी हुई है , लॉकडाऊन लग रहा है फिर दूसरे प्रदेश के लोग बस्तर में ओ भी रेस्ट हाउस में किसके निर्देश पर रुके हुए हैं ? मेरा सरकार से आग्रह है जल्द उन्हें निकाल बाहर करें एवम बस्तर की चरमराती चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करे।

जूनियार डॉक्टरों ने 6 सूत्रीय मांगों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव से डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के जूनियर डॉक्टरों ने बुधवार को उनके निवास कार्यालय में मुलाकात की। मंत्री सिंहदेव को जूनियर डॉक्टरों ने इस दौरान अपनी मांगो की जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टरों से कहा कि इस समय हम कोरोना संक्रमण के कठिन दौर से गुजर रहे हैं। इस वक्त डॉक्टरों का स्थान भगवान के समान है। आप लोग अपनी सेवाएं जारी रखें। सरकार डॉक्टरों की कार्य परिस्थितियों को बेहतर बनाने और उन्हें अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने पहल करेगी। स्वास्थ्य मंत्री के साथ बैठक के बाद ड्यूटी पर लौट आए हैं, मांग पूरी होने तक काली पट्टी लगाकर काम करेंगे। रायपुर मेडिकल कॉलेज के जूनियर डाक्टर हड़ताल पर थे, 6 मांगो को लेकर 2 दिन से हड़ताल कर रहे थे, 1 मई तक मांगे पूरी करने अल्टीमेटम दिया है।

लॉक डाउन के कारण नवरात्रि में श्रद्धालुओं एवं रमजान के रोजेदारों को उपवास तोड़ने में हो रही परेशानी

रायपुर। देश एवं प्रदेश में कोरोना वायरस कोविड 19 के द्वितीय चरण के संक्रमण के कारण देश के अनेक राज्यों में नवरात्रि एवं आज से शुरू हो रहे रमजान के रोजेदारों के लिए उपवास के दौरान फलाहारी वस्तुओं की लॉक डाउन के चलते उपलब्धता नहीं होना परेशानी का सबब बन गया है। वहीं घरों में स्थित वयोवृद्ध नागरिकों एवं बीमारों को फल प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ नहीं मिलने से उनकी शारीरिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। देश में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं प्रति वर्ष नवरात्रि का उपवास रखते हैं वहीं ईदुलफितर मनाने वाले रमजान के रोजेदार भी सुबह-सुबह सहरी के दौरान फलाहारी वस्तुओं का सेवन कर दिनभर रोजा रखते हैं। शहर के अनेक प्रबुद्धों ने राज्य के मुख्यमंत्री से लॉक डाउन के दौरान सुबह-शाम दो दो घंटे सब्जी फल आदि की दुकानें खोले जाने के लिए लॉक डाउन लगाने वाले जिले के कलेक्टरों को तत्काल निर्देश देने की मांग की है।

नागरिक कर सकते है मुख्यमंत्री सहायता कोष में राशि दान

रायपुर। कोरोना महामारी के संकट के घड़ी में दैनिक वेतनभोगी एवं जरूरतमंदों की मदद के लिए कोई भी नागरिक, मुख्यमंत्री सहायता कोष में राशि दान कर सकते है। इसके लिए एस बी आई खाता क्रमांक हश. : 30198873179 है। किसी भी क्क्च एप से त्तक्र छ्वह्रष्ठश्व को स्कैन कर भी अपना बहुमूल्य योगदान दिया जा सकता हैं। यह राशि आयकर अधिनियम की धारा 80 जी के तहत आयकर छूट के लिए पात्र होगी। इस संबंध में छत्तीसगढ हेल्प लाइन 104 से भी जानकारी ली जा सकती है।

हेल्थ एंड वेलनेस एप्लीकेशन के उपयोग में छत्तीसगढ़ को मिला पुरस्कार

रायपुर। हेल्थ एंड वेलनेस एप्लीकेशन के उत्कृष्ट उपयोग के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। इस एप्लीकेशन के उपयोग में छत्तीसगढ़ देश में तीसरे स्थान पर है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आज देश में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों की शुरूआत के तीन वर्ष पूरे होने पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रदेश को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। छत्तीगसढ़ ने कोरोना महामारी के इस कठिन समय में भी लक्ष्य से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों का हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में उन्नयन किया है।राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ के सहयोग से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों ने प्रदेश के अंतिम छोर के व्यक्ति तक कोरोना संकट काल में भी स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता को बनाए रखा। सुरक्षित टीकाकरण, बुजुर्गों की देखभाल, गंभीर मरीजों को घर पहुँच दवा की उपलब्धता, माताओं के स्वास्थ्य की देखभाल और प्रसव संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने में इन सेंटरों ने महती कार्य किया है।

अन्य राज्यों से ट्रेन से आने वाले यात्रियों को कोरोना निगेटिव रिपोर्ट लानी होगी

रायपुर । प्रदेश में अन्य राज्यो से टेऊन से आने वाले यात्रियों के लिए तीन दिन पूर्व की कोविड निगेटिव रिपोर्ट लाना अनिवार्य किया गया है। जिनके पास यह रिपोर्ट नही है उनका स्टेशन में ही स्वास्थ्य परीक्षण स्क्रीनिंग किया जाएगा और लक्षण दिखने पर कोरोना टेस्ट किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्रीमती रेणु जी पिल्ले ने इस संबंध में सभी कलेक्टरों को आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देष दिए है। इस कार्य के लिए रेल्वे प्रबंधन का भी आवश्यक सहयोग लिया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि कोरोना जांच के बाद पाजिटिव पाए जाने वाले मरीजों को आवश्यकतानुसार डेडिकेटेड अस्पताल,कोविड केयर सेंटर,होम आइसोलेषन में उपचार हेतु परिवहन की व्यवस्था से भेजा जाए। ऐसे यात्री जिनमें कोरोना के लक्षण नही है और जिनकी जांच नही की जा रही है उन्हे 7 दिनों के लिए क्वारंटाइन किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और षहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रषासन विभाग द्वारा यात्रियों को क्वारेटीन किए जाने हेतु पूर्व में जारी दिषा निर्देषों का पालन किया जाए। क्वारेंटीन सेंटरों में स्वास्थ्य परीक्षण/जांच हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा विगत वर्ष के निर्देष का पालन किया जाएगा। रेल्वे स्टेषनों के जांच केन्द्रों में कोविड अनुकूल व्यवहार का पालन सुनिश्चित कराया जाए।

राज्यपाल ने केन्द्र सरकार से ऑक्सीजन बेड, वेंटिलेटर, रेमडेसिविर व एंबुलेंस की आपूर्ति के लिए किया आग्रह

➲ **मानव जीवन को बचाने के लिए सभी संभव मदद प्रदान किया जाए: सुश्री उइके**

नवप्रदेश संवाददाता

राज्यपाल, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के वीडियो कांफ्रेंसिंग में शामिल हुई

रायपुर। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश-प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण के बढ़ते प्रसार और उनके नियंत्रण के मद्देनजर आज वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से राज्यपालों की बैठक ली। इसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित थे। इस बैठक में राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने केन्द्र सरकार से छत्तीसगढ़ में ऑक्सीजन बेड, वेंटिलेटर, रेमडेसिविर इंजेक्शन, एंबुलेंस की आवश्यकतानुसार पर्याप्त संख्या में आपूर्ति करने का अनुरोध किया। सुश्री उइके ने कहा कि इस समय मानव जीवन बचाना सबसे प्राथमिक आवश्यकता है। अतः प्रधानमंत्री जी से अनुरोध है कि केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के इलाज के लिए विशेष फंड के माध्यम से मदद की जाए, साथ ही तमाम साधन मुहैया कराए जाएं, जिससे छत्तीसगढ़ की जनता को कोरोना संक्रमण से राहत दिलाई जा सके और उनकी जान बचाई जा सके।

छत्तीसगढ़ में अभी स्थिति गंभीर: राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अभी स्थिति गंभीर है। पिछले कुछ समय में मौतों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। पर्याप्त संख्या में लैब न होने के कारण आर.टी.पी.सी.आर. रिपोर्ट में मिलने विलंब हो रहा है, जिससे इलाज प्रारंभ करने में विलंब हो रहा है। अतः अनुरोध है कि छत्तीसगढ़ में पर्याप्त संख्या में टेस्टिंग लैब की व्यवस्था की जाए, जिससे जल्द रिपोर्ट मिल सके, जिससे उनका जल्द इलाज प्रारंभ किया जा सके और उनका जीवन बचाया जा सके। राज्यपाल ने सुझाव दिया कि प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थापित छोटे छोटे निजी चिकित्सालयों में आक्सीयुक्त बेड की सुविधा है उन्हें चिन्हित कर किसी योजना में जोड़कर फंडिंग की जाए, जिससे ऑक्सीजनयुक्त बेड की संख्या बढ़ जाएगी। पूर्व के संविदा पैरामेडिकल स्टाफ की पुनः भर्ती कर सेवाएं ली जाए। साथ ही अर्धसैनिक बलों के कुशल पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधा मुहैया कराई जाए, जिससे उनके माध्यम से यहां के मरीजों का इलाज में मदद मिले।

संक्रमण के नियंत्रण के लिए गाईडलाइन जारी

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि कोरोना संक्रमण के प्रथम चरण में प्रधानमंत्री द्वारा जो देश की जनता के नाम संदेश दिया गया था, उससे जनता में उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ था। उसी प्रकार पुनः जनता के नाम संदेश दिया जाए, जिससे प्रदेश की जनता को कोरोना संक्रमण से लड़ने की ऊर्जा मिले और मार्गदर्शन मिले। साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए गाईडलाइन जारी किया गया है, उसे प्रभावी ढंग से लागू कराया जाए। सुश्री उइके ने बताया कि उनके द्वारा प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों सहित अन्य जिलों में दौरे किये गए, जिसमें आम जनता से कोरोना संक्रमण से बचने के उपायों का पालन करने का आग्रह किया गया।

आम जनता को जागरूक करें

साथ ही एनसीसी एवं एनएसएस के कैड्टस, रेडक्रास के वालेंटियर को कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए कार्य करने को कहा गया और उनका सम्मान भी किया गया। साथ ही सभी विश्वविद्यालयों और छात्र-छात्राओं को आम जनता को जागरूक करने के लिए कहा गया। सुश्री उइके ने बताया कि उनके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस तथा अन्य कार्यक्रमों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कोरोना वॉरियर्स को सम्मानित किया गया तथा स्वास्थ्यकर्मी, चिकित्सकों फील्ड में तैनात महिला पुलिसकर्मी, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से चर्चा की गई और उनका उत्साहवर्धन किया गया। वीडियो कांफ्रेसिंग में विभिन्न प्रदेशों के राज्यपाल भी शामिल हुए।

निजी अस्पतालों एवं पैथालॉजी केन्द्रों में कोविड जांच हेतु शुल्क निर्धारित

➲ **आरटीपीसीआर 550 रुपये, ट्रू नाट 1300 रुपये और रैपिड एंटीजन टेस्ट 150 रुपये में**

रायपुर। कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिए राज्य शासन ने आम जनता को राहत देने की दृष्टि से निजी पैथोलॉजी लैबों और अस्पतालों में कोविड-19 की जांच के लिए आरटीपीसीआर, एंटीजन तथा ट्रू नाट रैपिड टेस्ट की दरों में काफी कमी की है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार निजी पैथोलॉजी लैबों और अस्पतालों में आरटीपीसीआर टेस्ट हेतु यदि कोविड-19 टेस्ट का सेम्पल कलेक्शन पैथोलॉजी सेन्टर में किया जाता है तो जांच शुल्क 550 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा। यदि सेम्पल कलेक्शन मरीज के घर अथवा प्राइवेट अस्पताल में जाकर लिया जाता है तो अतिरिक्त राशि शुल्क 200 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा। उक्त शुल्क में सेम्पल कलेक्शन, ट्रांसपोर्ट शुल्क, जांच शुल्क एवं कज्युमेबल. पीपीई कीट इत्यादि का शुल्क सम्मिलित है।

ट्रू नाट टेस्ट हेतु यदि कोविड-19 टेस्ट का सेम्पल कलेक्शन पैथालॉजी सेन्टर में किया जाता है तो जाच शुल्क राशि 1300 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा। यदि सेम्पल कलेक्शन मरीज के घर अथवा प्राइवेट अस्पताल में जाकर लिया जाता है तो अतिरिक्त शुल्क रू 200 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा। उक्त शुल्क मे सेम्पल कलेक्शन, ट्रांसपोर्ट शुल्क, जांच शुल्क एवं कंज्युमेबल, पीपीई कीट इत्यादि का शुल्क सम्मिलित है।

रेपिड एंटीजन टेस्ट हेतु यदि कोविड-19 टेस्ट का सेम्पल कलेक्शन पैथोलॉजी सेन्टर में लिया जाता है तो जांच शुल्क 150 रुपये प्रति टेस्ट लिया जावेगा। यदि सेम्पल कलेक्शन मरीज के घर अथवा प्राइवेट अस्पताल में जाकर लिया जाता है तो अतिरिक्त शुल्क 200 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा। शुल्क में सेम्पल कलेक्शन, ट्रांसपोर्ट शुल्क एवं कंज्युमेबल, पीपीई कीट इत्यादि शुल्क सम्मिलित है।

उपरोक्त दर निर्धारण तत्काल प्रभाव से लागू होगा। समस्त निजि चिकित्सालयों एवं पैथालाजी केन्द्रों द्वारा कोविड-19 जाच की दरों को मरीज प्रतीक्षालय/बिलिंग काउंटर के प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाना अनिवार्य होगा। समस्त निजी चिकित्सालयों एव पैथालाजी केन्द्रों द्वारा कोविड-19 जांच हेतु आईसीएमआर तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ द्वारा समय-समय पर जारी किये गये दिशा-निर्देशो का पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

कोविड 19 मरीजों के उपचार हेतु निजी चिकित्सालयों एवं डायग्नोस्टिक केन्द्रों में सीटी स्कैन की दरें निर्धारित

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिशानिर्देश पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश में कोविड-19 संक्रमित मरीजों के निजी चिकित्सालयों में उपचार के दौरान हाई रिजॉल्यूशन सीटी स्कैन की आवश्यकता होने पर समस्त निजी चिकित्सालयों एवं डायग्नोस्टिक केन्द्रों के लिए दरें निर्धारित की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार चेस्ट (फेफड़े) के सीटी स्कैन (एचआरसीटी) बिना कंट्रास्ट हेतु 1870 रुपये शुल्क, चेस्ट (फेफड़े) का सीटी स्कैन (एचआरसीटी) कंट्रास्ट सहित हेतु 2354 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

आदेश में उल्लेखित है कि प्रदेश के सभी निजी चिकित्सालयों द्वारा कोविड-19 मरीजों के ईलाज हेतु छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क ही लिया जावे तथा आईसीएमआर एवं राज्य शासन द्वारा निर्धारित उपचार सम्बंधी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए केवल आवश्यक जांच ही कराई जाए। कोविड-19 मरीजों का आर टी पी सी आर, एंटीजेन और ट्रू नाट टेस्ट केवल आईसीएमआर एवं राज्य शासन के द्वारा अधिकृत पैथोलॉजी केन्द्रों एवं अस्पतालों से ही कराई जाएँ। उपरोक्त आदेश का उल्लंघन, एपिडेमिक डिसीज एक्ट, 1897, छत्तीसगढ़ पब्लिक एक्ट, 1949 तथा छत्तीसगढ़ एपिडेमिक डिसीज कोविड-19 रेगुलेशन एक्ट, 2020 के अंतर्गत दंडनीय होगा।

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में भारी इजाफा, मेकाहारा में व्यवस्था गड़बड़ाई

रायपुर। द्वितीय चरण के कोरोना वायरस कोविड 19 के नये स्वरूप के साथ मरीजों को संक्रमित करने से जहां मरीजों की संख्या में शहर में लगातार इजाफा हो रहा है वहीं प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में प्रदेश भर के मरीजों का आना अनवरत जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार अधिक संख्या में मरीजों के आगमन से मेकाहारा प्रशासन की व्यवस्था गड़बड़ा गई है। ओपीडी में लगातार मरीजों की भीड़ बढ़ने से मरीज एवं उनके परिजनों को पूरे अस्पताल परिसर में इधर उधर शरण लेनी पड़ रही है। मेकाहारा में जगह कम पड़ने के कारण स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम के सहयोग से 360 बेड का इंडोर स्टेडियम में कोरोना कोविड सेंटर स्थापित किया गया है। वहां पर भी स्थिति गंभीर है। मरीजों की भर्ती के लिए जगह कम पड़ने के कारण प्रदेश शासन ने अब दस दस हजार बेड वाले कोविड सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया है।

गौरतलब है कि छह सूत्रीय मांगों को लेकर जिनमें प्रमुख रूप से ग्लब्स एवं घटिया स्तर का पीपीई किट मिलने से जूनियर डॉक्टरों को कोरोना संक्रमित मरीजों का इलाज परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दो दिन से हड़ताल के चलते ओपीडी में कामकाज बंद है। इधर बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह से जूडो ने मुलाकात कर छह सूत्रीय मांगों की पूर्ति के लिए स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया है। आपातकालीन सेवाएं जूनियर डॉक्टर आईसीयू में दे रहे है जबकि आज से ओपीडी सेवाएं बंद कर दी गई है। ज्ञातव्य है कि जूनियर डॉक्टरों के अनुसार प्रतिदिन ओपीडी 12सौ मरीज इलाज कराने के लिए पहुंचते हैं। हड़ताल जारी रही तो कोरोना मरीजों का हाल और बुरा होगा। पिछले दिनों 868 मरीजों की कोरोना से मृत्यु होने के कारण आम शहरवासियों ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री से सरकारी चिकित्सकों को सर्वोत्तम किस्म का साजो सामान उपलब्ध कराने की मांग के संबंध में तत्काल विभाग प्रमुख को निर्देश देने की मांग की है।

सर्वदलीय बैठक में स्वास्थ्य मंत्री को नहीं बुलाने पर अमित जोगी ने जताई आपत्ति

अमित जोगी ने सर्वदलीय बैठक में अनेक सुझाव दिए, सवाल भी खड़े किए

सरकार में समन्यव की कमी, खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है - अमित

रायपुर। सुनामी की तरह बढ़ते कोरोना मामले में आज महामहिम राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उईके और राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सर्वदलीय बैठक ली। जिसमें जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमित जोगी ने भाग लेते हुए अनेक सुझाव दिए और सरकार के कार्यप्रणाली पर अनेक सवाल भी खड़े कर दिए। अमित जोगी ने कहा आज यह स्पष्ट हो गया है कि सरकार कोरोना के मामले में गंभीर नहीं है, प्रदेश में भारी स्वास्थ्य का संकट छाया हुआ है और सर्वदलीय बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ही नहीं है, उनको क्यों बैठक में क्यूँ नहीं बुलाया गया ? जब उनके विभाग के बारे में चर्चा होनी थी , उन्हें ही नहीं बुलाया गया। अमित जोगी ने कहा सरकार में समन्वय का अभाव है और उसका खामियाजा प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ रहा है । अमित जोगी ने नया राजधानी स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को अस्थायी कोविड अस्पताल बनाने की मांग करते हुए कहा। जब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटरों के लिए अरबों रुपए खर्च कर बबल जोन बनाया जा सकता है तो कोरोना के मरीजों के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का उपयोग कोविड मरीजों के लिए क्यूँ नहीं लाया जा सकता है जबकि वहां पर 15000 बिस्तर आराम से लगाया जा सकता हैं।

अमित जोगी ने कहा देश के अखबारों में यह प्रमुख रूप से प्रकाशित रहा है कि छत्तीसगढ़ में मरीजों के लिए जगह नहीं है अब मुर्दो के लिए भी जगह नहीं है, स्थिति भयावह हो गई है इसलिए मैं यह मांग करता हूं कि भारत सरकार इस मामले अब सीधे हस्तक्षेप करें, राज्य सरकार के बस की बात नहीं रह गई है क्योंकि एक तरफ तो छत्तीसगढ़ की सरकार आत्मनिर्भर होने की बात करती है वहीं दूसरी तरफ भारत सरकार, भारत सरकार कहती रहती है । स्थिति गम्भीर बनी हुई है तत्काल केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए।

अमित जोगी ने सरकार पर वीआईपी कल्चर अपनाने का आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि एक तरफप्रदेश में 45 साल से कम उम्र के लोगों के लिए वैक्सीन नहीं है। वहीं 45 से कम उम्र की कांग्रेस विधायक को टीका लगाया जाता है।

जिले में अब तक 3 लाख 71 हजार नागरिकों ने कोरोना वैक्सीन लगाई

➲ **निजी माध्यमों से कराए जाने वाले कोरोना जांच दरों में कमी की गई है**

रायपुर। रायपुर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 299 शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों के माध्यम से कोरोना वैक्सीनेशन कार्य लगातार किया जा रहा है। लॉक डाउन के बावजूद 13 अप्रेल को रायपुर जिले में 8,379 नागरिकों ने कोरोना का वैक्सीन लगवाया। जिले में अब तक 3 लाख 71 हजार कोरोना वैक्सीन लगाई जा चुकी है। 46,397 नागरिकों को वैक्सिन का दोनों डोज लग चुका है। उल्लेखनीय है कि 45 वर्ष से अधिक आयु के जिले के सभी नागरिकों को कोरोना का वैक्सीन लगाया जा रहा है। शासकीय चिकित्सालयों में यह वैक्सीन निःशुल्क लगाया जा रहा है। निजी चिकित्सालयों में टीका लगाने का मुल्य 250 रूपये निर्धारित किया गया है।

वर्तमान में शासकीय अवकाश के दिनों में भी टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है। लॉकडाउन अवधि में भी अपना परिचय पत्र और वैक्सीनेशन का दस्तावेज दिखाकर 45 साल से अधिक अधिक आयु के पात्र नागरिक चिकित्सालय आकर वैक्सीनेशन का कार्य करवा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि मेंडिकल कॉलेज रायपुर, एम्स, जिला चिकित्सालय पंडरी, सिविल हास्पिटल माना, शहरी क्षेत्रों के विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, ड्रिस्टीक्ट रेलवे हास्पिटल, ई.एस.आई.सी हास्पिटल, विकासखंडों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ-साथ विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप स्वास्थ्य केन्द्रों ,अन्य टीकाकरण केन्द्र और विभिन्न निजी चिकित्सालयों से भी कोरोना टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध है।

इसी तरह जिले में कल 8730 नागरिकों की कोरोना जॉच की गई। शासकीय चिकित्सालयो में जहा टेस्टिंग का कार्य निशुल्क होता है, वहीं निजी माध्यमों से कराए जाने वाले कोरोना जांच दरों में कमी की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने इस सम्बंध मे कल आदेश जारी किया है। कोविड संक्रमण की रोकथाम की दृष्टि से आम जनता को राहत देने निजी पैथोलॉजी लैबों और अस्पतालों में कोविड-19 की जांच के लिए आर टी पी सी आर तथा एंटीजन रैपिड टेस्ट की दरों में काफी कमी की गई है।

निजी लैबों और अस्पतालों में रैपिड एंटीजन टेस्ट के लिए 150 रूपए का शुल्क तय किया गया है। इसमें जांच, कन्जुमेबल्स, पीपीई किट इत्यादि शुल्क शामिल हैं। प्रदेश के लैबों/अस्पतालों में आर टी पी सी आर जांच के लिए 550 रूपए की दर निर्धारित की गई है। दोनों जांच के लिए संभावित मरीज के घर से सैंपल संकलित किए जाने पर अतिरिक्त शुल्क 200 रूपए लिए जाएंगे। ट्रूनाट टेस्ट के लिए जांच शुल्क 1300 और मरीज के घर जाकर लेने पर 200 रूप्ये अतिरिक्त लगेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के आदेश में कहा गया है कि सभी निजी चिकित्सालयों एवं पैथोलॉजी केन्द्रों में जांच दरों को मरीज प्रतीक्षालय, बिलिंग काउंटर पर प्रदर्शित किया जाना अनिवार्य होगा। यह आदेश छत्तीसगढ़ एपिडेमिक डीजिस कोविड 19 रेगुलेशन 2020 की कंडिका 3 के एवं महामारी अधिनियम 1887 की कंडिका 2 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया गया है।

नव प्रदेश | अभिव्यक्ति | रायपुर, शुक्रवार, 16 अप्रैल 2021 | 4

संपादकीय

माननीय भी अपना हाथ आगे बढ़ाएं

भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने अब सुनामी का रूप धारण कर लिया है। प्रतिदिन 2 लाख से अधिक नए मामले सामने आ रहे है। पहले तो सिर्फ कुछ राज्यों में ही कोरोना वायरस के नए मामले सामने आ रहे थे लेकिन अब देश का ऐसा कोई राज्य नहीं बचा है जहां कोरोना की दूसरी लहर ने कहर ढाना शुरू न किया हो। निश्चित रूप से यह गहन चिंता का विषय है। आज स्थिति यह है कि अनेक राज्यों की सरकारें कोरोना पर काबू पाने में खुद को असहाय महसूस कर रही है। देश में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली सर्वविदित है। पिछले एक साल से कोरोना काल चल रहा है इससे बावजूद स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने में केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें गंभीर नहीं रही है। इसी का दुष्परिणाम है कि अधिकांश राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने के लिए जद्दोजहद हो रही है। नीजि अस्पतालों में भी बेड कम पड़ रहे है, ऑक्सीजन की कमी भी एक बड़ी समस्या बन गई है। जिसके चलते हजारों कोरोना संक्रमितों को मौत के मुंह का निवाला बनना पड़ा है। संसाधनों की कमी दूर करने के लिए राज्य सरकारें अपने स्तर पर प्रयास कर रही है और केन्द्र सरकार भी उन्हे हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की कोशिश कर रही है लेकिन जिस तेजी से कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है उसके कारण अस्पतालों में संसाधनों की कमी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में तत्काल संसाधन जुटाने के लिए एक बड़ी धन राशि की तत्काल आवश्यकता है। इसके लिए माननियों को भी अब आगे आना चाहिए और देश के सभी सांसदों, हर प्रदेश के विधायकों और पार्षदों को अपने कुछ माह का वेतन प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री राहत कोष में तत्काल जमा करना चाहिए यही नहीं बल्किअपने सांसद निधि, विधायक निधि और पार्षद निधि की राशि भी सहायता कोष में जमा करानी चाहिए ताकि कोरोना वायरस से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने में सरकार को मदद मिल सकें। विकास तो होते रहेगा लेकिन अभी सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि लोगों को असमय काल का ग्रास बनने से बचाया जाएं। जब हमारे माननीय इस काम के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाएंगे तो उनसे प्रेरणा लेकर अन्य लोग भी कोरोना संक्रमितों के उपचार के लिए संसाधन जुटाने के काम में मदद कर के सरकार का हाथ बटाएंगे। सभी के समवेत प्रयासों से ही इस विकट समस्या से निपटा जा सकेगा अन्यथा आगे चल कर स्थिति और भयावह हो सकती है।

टीकाकरण से ही राहत मिलेगी

डॉ. श्रीनाथ सहाय

> आंशिक बंदी, कन्टेनमेंट जोन बनाने और सार्वजनिक सभाओं पर रोक लगायी जा रही है। ऐसे में टीकाकरण अभियान लक्षित वर्ग विशेष व आयु वर्ग के हिसाब से देश में चल रहा है। स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन वर्करों, साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों को टीकाकरण का लाभ देने के बाद अब 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को टीका लगाने का कार्य शुरू हो चुका है। लेकिन एक तथ्य यह भी है कि 45 आयु वर्ग से नीचे के लोगों को भी कोरोना अपना शिकार बनाता रहा है, जिसके लिये भी टीकाकरण की जरूरत महसूस की जा रही है। दरअसल, टीकाकरण अभियान की विसंगतियों को दूर करके इस अभियान में तेजी लाने की जरूरत है। वैक्सीन आपूर्ति को लेकर गैर भाजपा शासित राज्यों की शिकायतों के बाद आरोपों-प्रत्यारोपों का सिलसिला भी जारी है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी को अनुचित बताते हैं और कहते हैं कि पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन की आपूर्ति की जा रही है।

कोरोना की नयी लहर का कहर देशभर में जारी है। देश के कोने-कोने से कोरोना से जुड़ी दुखद खबरें सामने आ रही हैं। इसे क्या कहा जाए कि एक तरफदेश में कोरोना की रोकथाम के लिए टीकाकरण हो रहा है तो वहीं दूसरी ओर संक्रमितों के आंकड़े आये दिन नये रिकार्ड बना रहे हैं। बावजूद इसके चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों का मत है कि टीकाकरण से ही हालात काबू में आएंगे। जब आबादी के बड़े हिस्से का टीकाकरण हो जाएगा तो उसके बाद यह बीमारी इतना घातक प्रभाव नहीं डाल पाएगी। कम शब्दों में कहा जाए तो ऐसे वक्त में जब देश में कोरोना संकट की दूसरी लहर गंभीर स्थिति पैदा कर रही है, वैक्सीन ही अंतिम कारगर उपाय नजर आता है।

16 जनवरी से शुरू हुए टीकाकरण अभियान को करीब तीन माह पूरे हो चुके है। टीकाकरण के मामले में भारत ने दुनिया के सभी देशों को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने पड़ोसी मुल्क चीन को भी पीछे छोड़ दिया है, जहां से कोरोना संक्रमण का पहला मामला सामने आया था। इसके अलावा टीकाकरण की रेस में ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देश भी भारत से पीछे हैं। भारत में अबतक 10 करोड़ से ज्यादा कोरोना वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। भारत के अलावा दुनिया में अमेरिका और चीन दो देश ही ऐसे हैं जहां अबतक कुल 10 करोड़ खुराक दी गई है। लेकिन खास बात ये है कि अपने देश में ये मुकाम सिर्फ 85 दिनों में हासिल किया गया. जबकि अमेरिका को टीके की 10 करोड़ खुराक देने में 89 दिन लगे और चीन को इस काम में 102 दिन लग गए।

वहीं दूसरी और देश में कोरोना महामारी विकराल रूप ले चुकी है। बीते 24 घंटे में 1 लाख 99 हजार 376 नए मरीज मिले हैं। 93,418 ठीक हुए और 1,037 की मौत हो गई। नए केस का आंकड़ा पिछले साल 16 सितंबर को आए पहले पीक के दोगुना से ज्यादा हो गया है। तब एक दिन में सबसे ज्यादा 97,860 केस आए थे। इसके साथ ही एक्टिव केस, यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 14 लाख 65 हजार 877 हो गई है। यह 15 लाख के पार हो सकती है, क्योंकि इसमें बीते दो दिन से एक लाख से ज्यादा की बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में बचाव के परंपरागत उपायों के साथ टीकाकरण अभियान को गति देने की जरूरत है ताकि देश लॉकडाउन जैसे उपायों से परहेज कर सके।

देश में कोरोना वायरस के घातक प्रभाव को देखते हुए सरकार ने विदेशी टीकों को मंजूरी दी है। केंद्र सरकार द्वारा विदेशी टीकों को स्वीकृति देना और आयात का बाजार खोलना यकीनन एक स्वागतयोग्य निर्णय है। फाइजर, मॉडर्ना और जॉनसन एंड जॉनसन सरीखी विदेशी कंपनियों ने भारत में मानवीय परीक्षण किए अथवा नहीं, अब यह सवाल गौण है, क्योंकि बढ़ते संक्रमण पर लगाम कसना सरकार और जनता की साझा प्राथमिकता है, लेकिन ये टीके कई देशों में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और विज्ञान पत्रिका 'द लैंसेट' ने इन टीकों का सकारात्मक विश्लेषण किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अलावा अमरीका, ब्रिटेन, यूरोप और जापान ने इन्हें आपात मंजूरी दी हुई है।

हमारे कोविड-19 के राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह ने फाइजर और मॉडर्ना से अतिरिक्त डाटा की मांग की थी, लेकिन वे अमरीका की फूड एंड ड्रग्स अथॉरिटी की स्वीकृति के आधार पर ही भारत के बाजार में प्रवेश चाहती थीं। ऐसा नहीं हो सका, तो कमोबेश फाइजर ने बीती फरवरी में अपना आवेदन वापस ले लिया था। तब कोरोना का संक्रमण भारत में इतना नहीं फैला था कि उसे 'नई लहर' का नाम दिया जा सके। अब अप्रत्याशित रूप से कोविड का घोर आपातकाल मंडरा रहा है, लिहाजा उसी संदर्भ में टीकों की स्वीकृति देखनी चाहिए। अभी भारत की ही कुछ कंपनियों के टीके पाइपलाइन में हैं। आने वाले कुछ महीनों में उन टीकों को भी मंजूरी मिल सकेगी, लिहाजा टीकाकरण का संकट दूर हो सकेगा।

बहरहाल, कोरोना संकट की भयावहता को देखते हुए कोविड-19 की वैक्सीनों का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन उत्पादक कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने वैक्सीन उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिये तीन हजार करोड़ रुपये के अनुदान की मांग की है। निस्संदेह ऐसे मुश्किल वक्त में जीवन रक्षक उद्यम के लिये खजाना खोलने में केंद्र को संकोच नहीं करना चाहिए। प्रयोग की जा रही दो वैक्सीनों के अलावा अन्य वैक्सीनों के उत्पादन पर भी विचार होना चाहिए। इसी क्रम में रूसी वैक्सीन स्पुतनिक को भी आपातकालीन उपयोग के लिये उत्पादन हेतु अनुमति दिये जाने की जरूरत है। टीकाकरण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि प्रसिद्ध डाक्टरों और वैज्ञानिकों ने टीके को ही कोरोना का 'सुरक्षा-कवच' नहीं माना है, लेकिन उनके शोधात्मक अध्ययनों के निष्कर्ष हैं कि टीका संक्रमण की तीव्रता और जानलेवा प्रभावों को निरस्त करने का काम करता है। संक्रमित मरीज को अस्पताल जाने की नौबत भी बेहद सीमित हो जाती है। दोनों खुराकें मिलने के बाद टीका मानवीय देह में रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करने लगता है। विदेशी टीकों के प्रभाव अलग-अलग हो सकते हैं।

बीते साल लॉकडाउन की सख्ती से जहां देश की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा था, वहीं एक बड़ी आबादी को शहरों से गांवों की ओर विस्थापित होना पड़ा था। बड़े पैमाने पर रोजगार का संकट भी पैदा हुआ था। बहरहाल,नयी चुनौती के बीच दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब समेत कई राज्यों ने रात्रि कर्फ्यू जैसे उपायों को अपनाना शुरू कर भी दिया है।

विचार

विदेश नीतिः मौलिक पहल जरुरी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति का खेल कितना मजेदार है, इसका पता हमें चीन और अमेरिका के ताजा रवैयों से पता चल रहा है। चीन हमसे कह रहा है कि हम अमेरिका से सावधान रहें और अमेरिका हमसे कह रहा है कि हम चीन पर जरा भी भरोसा न करें। लेकिन मेरा सोच है कि भारत को चाहिए कि वह चीन और अमेरिका, दोनों से सावधान रहे। आँख मींचकर किसी पर भी भरोसा न करे। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार 'ग्लोबल हेरल्ड' ने भारत सरकार को अमेरिकी दादागीरी के खिलाफ चेताया है। उसने कहा है कि अमेरिकी सातवें बेड़े का जो जंगी जहाज 7 अप्रैल को भारत के 'अनन्य आर्थिक क्षेत्र' में घुस आया है, यह अमेरिका की सरासर दादागीरी का प्रमाण है। जो काम पहले उसने दक्षिण चीनी समुद्र में किया, वह अब हिंद महासागर में भी कर रहा है। उसने अपनी दादागीरी के नशे में अपने दोस्त भारत को भी नहीं बख्शा। चीन की शिकायत यह है कि भारत ने अमेरिका के प्रति नरमी क्यों दिखाई ? उसने इस अमेरिकी मर्यादा-भंग का डटकर विरोध क्यों नहीं किया ? चीन का कहना है कि अमेरिका सिर्फ अपने स्वार्थों का दोस्त है। उसके स्वार्थों के खातिर वह किसी भी दोस्त को दगा दे सकता है। उधर अमेरिकी सरकार के गुप्तचर विभाग ने अपनी ताजा रपट में भारत के लिए चीन और पाकिस्तान को बड़ा खतरा बताया है। उसका कहना है कि चीन आजकल सीमा-विवाद को लेकर भारत से बात जरुर कर रहा है लेकिन चीन की विस्तारवादी नीति से ताइवान, हांगकांग, द.कोरिया और जापान आदि सभी तंग हैं। वह पाकिस्तान को भी उकसाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। भारत की मोदी सरकार पाकिस्तानी कारस्तानियों को शायद बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि किसी आतंकवादी ने कोई बड़ा हत्याकांड कर दिया तो दोनों परमाणुसंपन्न पड़ौसी देश युद्ध की मुद्रा धारण कर सकते हैं। चीन की कोशिश है कि वह भारत के पड़ौसी देशों में असुरक्षा की भावना को बढ़ा-चढ़ाकर बताए और वहां वह अपना वर्चस्व जमाए। वह पाकिस्तानी फौज की पीठ तो ठोकता ही रहता है, आजकल उसने म्यांमार की फौज के भी हौंसले बुलंद कर रखे हैं। उसने हाल ही में ईरान के साथ 400 बिलियन डॉलर का समझौता किया है और वह अफगान-संकट में भी सक्रिय भूमिका अदा कर रहा है जबकि वहां भारत मूक दर्शक बना हुआ है। अब अमेरिका ने घोषणा की है कि वह 1 मई की बजाय 20 सितंबर 2021 को अपनी फौजें अफगानिस्तान से हटाएगा। ऐसी हालत में भारत के विदेश मंत्रालय को अधिक सावधान और सक्रिय होने की जरुरत है। हमारे विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर पढ़े-लिखे विदेश मंत्री और अनुभवी कूटनीतिज्ञ अफसर रहे हैं। विदेश नीति के मामले में भाजपा नेतृत्व से ज्यादा आशा करना ठीक नहीं है लेकिन जयशंकर यदि कोई मौलिक पहल करेंगे तो भाजपा नेतृत्व उनके आड़े नहीं आएगा।

उपक्रमों का निजीकरणः क्या समावेशी विकास का हल है?

डॉ. जीतेंद्र कुमार डेहरिया

> निजीकरण आर्थिकएवं "समावेशी" विकासका हल नहीं है यह मजदूरों और कमजोर वर्ग के लोगों को आधारभूत सुविधाओं से वंचित रखने एवं उनका शोषण करने का एक तरीका है जो अमीरी और गरीबी के बीच की खाई को तो बढ़ायेगा ही साथ ही अनेक प्रकार के आर्थिक और गैर-आर्थिक संकट और विषमताएँ पैदा करेगा.हमारे सामने निजीकरण के ऐसे कई उदाहरण हैं जिनसे हमको सीखना चाहिए आज शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, ट्रांसपोर्ट, संचार, सभी में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी है जिसके फायदे और नुकसान हम सभी जानते भी है. खासकर निजीकरण से वस्तुएँ एवं सेवाएँ इतनी मंहगी हो जाती हैं की निम्न वर्ग या तो उनसे वंचितरहता है या फिर बहुत ही सीमित रूपसे से उनका उपभोग कर पाता है लेकिन सार्वजनिक वस्तुओं एवं सेवाओं का उपभोग हर वर्ग का व्यक्ति करता है।

विशेषकर नब्बे के दशक की शुरुआत से ही निजीकरण हमारे देश में एक बहुचर्चित शब्द बन गया है. निजीकरण एक ऐंसी प्रक्रिया है जिसमें सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले संसाधनों, संपत्तियों, सेवाओं एवं उपक्रमों को निजी क्षेत्रको सम्पूर्ण या आंशिक हिस्सा बेच देती है यास्वामित्व को स्थानांतरित कर देती है चाहे वह ठेके के रूप में करे या फिर पट्टे के रूप में. यह भारत में तब किया जाता है जब कोई भी सार्वजनिक उपक्रम घाटे में चलता है अर्थात उसका घाटा राजस्व प्राप्ति से अधिक होता है,ऐंसीदशा में सरकार निजीकरण का रास्ता चुनती है. क्योंकि हमारी देश की अर्थव्यवस्था एक मिश्रित अर्थव्यवस्था है जिसमेंअर्थव्यवस्था के विकास में राज्य का हस्तक्षेप बहुत जरुरी होता है और और पूंजी के अभाव मेंअर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के लिए निजी क्षेत्र का भी सहारा लिया जाता है लेकिन इन दोनों में संतुलन का होना अति आवश्यक है अन्यथा अर्थव्यवस्था में आर्थिक असमानता बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है.हमारा देश एक लोकतांत्रिक देश है जहाँ जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों का दायित्व होता है की वे जनता के हितों के लिए कार्य करें और जनता का भी दायित्व होता है की वह भी अपने कर्तव्यों का पालन करे.

जैसा की सर्वविदित है की हमारे देश में क्षेत्रीय और स्थानीय, आर्थिक एवं सामाजिक विषमताओं के साथ-साथ कई प्रकार की विविधताएँ भी हैं. देश की कुल जनसँख्या का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा अभीभीगांव में निवास करता है जो मुख्यतः कृषि, पशुपालन एवं दैनिक मजदूरी पर निर्भर है. हमारे देश में आय की असमानता अत्यधिक है और इसका मुख्य कारण है सामाजिक असमानता और इन दोनों असमानताओं का प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य,बेरोजगारी, कुपोषण और विकास के अन्य सामाजिक एवं आर्थिकसंकेतकों पर देखने को मिलता है. क्या इतनी विविधताओं और विषमताओं को सार्वजनिक संपत्तियों या सार्वजनिक संस्थाओं को निजी स्वामित्व में देकर हम देश के गरीब, पिछड़े, वंचित, बेरोजगार, छोटे कर्मचारी या निम्न वर्गीय या निम्न आय वाले मजदूर, विधवा, वृद्ध एवं गरीब छात्र-छात्राओं के साथ न्याय कर पायेंगे यह एक चिंतन का विषय है. क्या आपने अभी तक के इतिहास में बहु-राष्ट्रीय कम्पनियों को सार्वजनिक व्यय की तरह जैसेबिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, एवं सड़क पर खर्च करते देखा है? क्या निजी संस्थाएँया उपक्रम सरकार की तरह सार्वजानिक हितों को ध्यान में रखती हैं? इन सभी प्रश्नों पर विचार करने की जरुरत है.

सच तो यह है निजीकरण से पूंजीवाद को बढ़ावा मिलता हैऔर पूंजीपतिओं का उद्देश्य होता है उत्पादन के साधनों एवं मजदूरों का शोषण कर अधिक से अधिक लाभ कमाना, सामान्यतः उनका सार्वजनिक हितों से कोई मतलब नहीं होता. आज हमारा देश निजीकरण की और बहुत तेजी से कदम बढ़ा रहा हैजिससे देश के सम्पूर्ण एवं समावेशी विकास में बहुत बड़ा संकट पैदा होगा. निजीकरण से हमारे उत्पादन और उत्पादकता दोनों में वृद्धि हो सकती है, उत्पादन के साधनों का पूर्ण उपयोग हो सकता है जिससे देश की सकल घरेलु उत्पाद (जीडीपी) की दर में वृद्धि होगी लेकिन क्या उसका निम्न वर्गों के बीच सही वितरण हो पायेगा?यह एकविचारणीयप्रश्नहै. निजीकरण से गरीबों और अमीरों के बीच की खाई और अधिक बढ़ेगी जो दो वर्ग को जन्म देगी एक शोषित और दूसरा शोषक वर्ग इससे कल्याणकारी राज्य की भूमिका ख़त्म हो जायेगीः आरक्षण ख़त्म हो जाएगा, छात्रवृत्ति, शोधवृत्ति, विधवा पेंशन, शैक्षिक अनुदान, कृषि अनुदान इत्यादि सब धीरे-धीरे ख़त्म हो जायेंगे और निम्न आय वर्ग के लोगों का शोषण इतना होगा की वे समाज की मुख्यधारा से अपने आप दूर हो जायेंगे.

यदि हम वास्तव में आर्थिक विकास एवं वृद्धि में संतुलन स्थापित करना चाहते हैं और समावेशी विकास चाहते हैं तो हमें सार्वजनिक संस्थानों का विस्तार करना चाहिए एवं उनमें स्थायी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर उनकी कार्यक्षमतओंका पूर्ण उपयोग करना चाहिए. और जो सार्वजनिक उपक्रमया संस्थाएँठीक से काम नहीं कर रहीं हैं उनको कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहिए और उनका समय-समय पर उचित मूल्यांकन किया जाना चाहिए ताकि वे सक्रीय रूपसे कार्य कर सकें और अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ा सकें. वर्तमान में सरकारी संस्थाओं में काम करने वाले सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है और वर्कलोड बहुत अधिक है इसलिए अक्सर सरकारी कार्य समय पर नही हो पाते हैं. बेशक कुछ संस्थायें या उनमें कार्यरत लोग लापरवाही करते होंया वे संस्थाएँ घाटे में चलती हों लेकिन इसका मतलब ये नहीं की उन्हें सीधा निजी क्षेत्र के स्वामित्व में कर दिया जाए. जिन भी सरकारी संस्थाओं में कुछ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पास ज्यादा कार्य नहीं हैं उन्हें उनकी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार अतिरिक्त कार्य देकर उनकी कार्यक्षमताओं का पूर्ण उपयोग किया जाना चाहिए।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

नेताओं की रैली में

नेताओं की रैली में जाने से पहले बस ये सोच लीजिएगा कि अगर खुदा न ख़ास्ता आपको कोरोना ने पकड़ लिया तो इनमे से कोई नेता आपको बचाने नहीं आएगा, उनके लिए सारी सुविधाएँ हैं, और आपके लिए जो मुश्किलों का पहाड़ खड़ा होगा उसके नीचे सिर्फ़आप और आपका परिवार ही दबेगा, हो सके तो याद रखिएगा।

- राजीव रंजन मिश्रा

हे कान्हा मुझे नशा

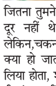

हे कान्हा मुझे नशा है तुम्हें याद करने का ..और ये नशा मैं सरेआम करती हूं जितना तुमने समझा कान्हा ,उतने दूर नहीं थे हम, टूट गए थे लेकिन,चकनाचूर नहीं थे हम, क्या हो जाता तुमने,मुड़कर देख लिया होता, शायद तुमको दिल से ही मंजूर नहीं थे हम। तेरी याद से ही शुरू होती है मेरी हर सुबह कान्हा.. फिर कैसे कह दूं कि मेरा दिन खराब है।

- श्री मंजू

ख़ास पाती

मुश्किल चाहे जैसी हो तुम

मुश्किल चाहे जैसी हो तुम पार करो। अब राहें मंजिल की खुद तैयार करो। सीना चौड़ा कर तुम जाओ सरहद पर। दुश्मन की छाती चढ़ पार कटार करो। मत डरना तुम राहों के तूफ़ानों से। अपने मक़सद से ही हरदम प्यार करो। रातें काली, मन बेज़ार,उदासी हो। आशा का तब चाँद फ़लक दीदार करो। चाहो गर दिल में बसना सबके यारों। प्यार करो, मनुहार करो, इज़हार करो। राज़ बता दूँ तुमको आज सफलता का। समझो, बोलो, मत ख़ुद को अख़बार करो। होगा धन-दौलत से हासिल क्या 'प्रतिभा' । देख ज़रूरतमंदो को उपकार करो।

- डॉ प्रतिभा गर्ग

हे माता जगदम्बिके दो ऐसा

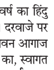

हे माता जगदम्बिके दो ऐसा वरदान ।हो जाए अति शीघ्र ही .कोरोना बेजान ।। चैत्र शुक्ल की प्रतिपदा,करे सतत उत्कर्ष । आता है इस रोज ही,.....हिंदु का नव वर्ष ।। नये वर्ष का हिंदु के, करें खूब सत्कार । दरवाजे पर बांधिये,..मंगल बंदनवार । दरवाजे पर टांकिए,..गुड़ी और इक आज । नये साल का कीजिये, मन भावन आगाज । रहो भले इस देश में, ...चाहे रहो विदेश । भारत के नववर्ष का, स्वागत करो रमेश।

- रमेश शर्मा

क्यों भटकता है मन घर के

क्यों भटकता है मन घर के हर कोने में सिसकियों से डर उसके जाने के बाद। क्यों रुलाता है मन तस्वीर उसकी बंद कर पलकों में उसके जाने के बाद। क्यों दरकता है आईना अक्स देख उसकी अईने में उसके जाने के बाद। न अखरता खालीपन न होता सूना आंगन अगर रख लेता उसके रहने का एहसास उसके होने के साथ।

- शिखा लाहीरी

भीतर धारा बहती सदा ही नाम

भीतर धारा बहती सदा ही नाम की गंगा सा कुछ कहती कह लो जो कहना है हो दुश्मन तो भी मिलजुल कर रहना है। पतझड़ ने अब पहना जो सूखे ड्रूबिखरे उन पत्तों का गहना। कहते हैं सुनते हैं चुप की भाषा में भावों को बुनते हैं। जन्मों का नाता है कुछ बातें वो कानों में कहता है

- चन्द्रकान्ता अग्नीहोत्री

बहुत आसान है यहाँ किसी के

बहुत आसान है.. यहाँ किसी के शब्दों को पकड़ना.. आसान कब यहाँ.. किसी के मन को पढ़ना.. थाम के एहसासों को यहाँ.. ज़िंदगी को प्यार से जकड़ना!

- नंदिता तनूजा

इस लड़ाई में भी मुझे प्यार नजर

इस लड़ाई में भी मुझे प्यार नजर आता है चाहते हो एक दूसरे को फिर भी तकरार नजर आता है पढ़ने की कोशिश की है लाख मैंने दोनों को लेकिन दूर से बस खाली अखबार नजर आता है।

- प्रवीण माटी

बीता साल 'प्रमाद' का, आया अब

बीता साल 'प्रमाद' का, आया अब 'आनन्द'। नव संवत्सर में कटे, कोरोना का फन्द। कोरोना का फन्द, बन्द यह खटक रहा है। कर दो प्रभु स्वच्छंद, काल यह अटक गया है। मालिक भर दो कोष, समय घट जाए रीता। किसको दें हरि दोष, सिहरते हर पल बीता।

- हरिवल्लभ शर्मा 'हरि'

QUIZ TIME

1) 8839 फीट ऊंची अनाई मुडी किस पर्वत-श्रृखंला की सर्वोच्च चोटी है?

2) स्वीडिश कैमिस्ट जे.ए. अर्फ्वेडसन द्वारा 1817 में अविष्कृत किस तत्व का नाम ग्रीक शब्द 'स्टोनी' से व्युत्पन्न है?

3) मैमथ और मैस्टॅडॉन किस भू-स्तनपायी के पूर्वज थे?

4) 1907 में थॉमस हंट मॉर्गन द्वारा जिनेटिक अनुसंधान के लिए प्रयोग की वस्तु के रूप में प्रयुक्त पहला कीड़ा कौन-सा था?

5) 1930 में ब्रेडमैन ने किस अंग्रेज बल्लेबाज का 5 टैस्टों में 905 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा था?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) माउंट मार्सी (2) इट्टरबी (3) हाथी (4) फ्रूटफ्लाई / ड्रोसोफिला (5) वाल्टर हैमंड

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1853 - भारत में पहली रेल बम्बई (अब मुंबई) से ठाणे के बीच चली। 1889 - अपने बेहतरीन अभिनय से दुनिया को हंसाने वाले चार्ली चैपलिन का जन्म। 1919 - अमृतसर में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड में मरने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए महात्मा गांधी ने प्रार्थना सभा और उपवास की घोषणा की। 1945 - एक सोवियत पनडुब्बी के कारण जर्मन शरणार्थी पोत डूब गया, जिससे 7000 लोग मारे गए। 1976 - आठ वर्ष तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और 13 वर्षों तक लेबर पार्टी के नेता रहे, हैरल्ड विल्सन ने त्यागपत्र दिया। उनके इस फैसले ने राजनीतिक हल्कों में तूफान ला दिया। 1988 - उत्तरी इराक के कुर्द आबादी वाले शहर हलबजा पर हुए गैस हमले में हजारों लोगों की मौत हो गई थी जबकि बहुत से लोग इसके प्रभाव से बीमार हो गए। 1988 - फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन के शक्तिशाली नेता खलील अल वजीर उर्फ अबु जिहाद की ट्यूनीशिया के ट्यूनिस में स्थित उनके घर में हत्या कर दी गई। 1990 - बिहार के राजधानी शहर पटना के निकट एक खचाखच भरी यात्री गाड़ी के दो डिब्बों में विस्फोट के बाद कम से कम 80 लोगों की जान गई और 65 अन्य घायल हुए। 2002 - दक्षिण कोरिया में एक विमान दुर्घटना में 120 लोग मारे गए। 2004 - भारत ने रावलपिंडी टेस्ट जीतकर पाकिस्तान को श्रृंखला में 2-1 से मात दी। 2008 - लंदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण हुआ। 2013 - ईरान में आये भूकंप से 37 लोगों की मौत हो गयी।

करीना कपूर ने खोला बेडरूम सीक्रेट

मुंबई। करीना कपूर और सैफअली खान बॉलीवुड के पावरफुल कपल में से एक हैं। ऐसे में जाहिर है दोनों की निजी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प राज उनके फैंस जानना चाहते हैं। अपने रिलेशनशिप को लेकर पहले भी करीना और सैफदोनों ही खुलकर बात करते नजर आए हैं। अब करीना ने अपने बेडरूम सीक्रेट्स का खुलासा किया हैं जो इससे पहले शायद ही उन्होंने कभी बताएं हों। 21 फरवरी 2021 को करीना कपूर और सैफअली खान ने अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया। परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए सैफअली खान ने शूटिंग से छुट्टी ले रखी थी। अभी तक कपल ने ना तो बेटे का चेहरा दिखाया है और ना ही नाम का खुलासा किया है। करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनके आने वाले शो स्टार्स वर्सेस फूड का एक प्रोमो वीडियो साझा किया था। जिसमें बॉलीवुड के सितारे शेफकी मदद से पकवान बनाते नजर आए। वीडियो में सभी सितारे नर्वस नजर आते हैं। इसमें करीना के साथ करण जौहर, अर्जुन कपूर, मलाइका अरोड़ा, करण जौहर और स्कैम 1992 फेम प्रतीक गांधी नजर आने वाले हैं।

क्या है बेडरूम सीक्रेट

दरअसल, करीना ने हाल ही डिस्कवरी प्लस के लिए एक सेलिब्रिटी कूकिंग शो की शूटिंग की थी। ये एपिसोड 15 अप्रैल को प्रसारित होगा। शो के दौरान उन्होंने अपनी दोस्त तान्या घावरी के साथ खास बातचीत की। करीना बताती हैं कि बेड पर सोने जाने से पहले उन्हें तीन चीजें चाहिए होती हैं। तान्या के पूछने पर करीना जवाब में कहती हैं, 'एक वाइन की बोतल, पैजामा और सैफअली खान।' इसके बाद करीना हंसने लगती हैं और आगे कहती हैं कि 'मुझे लगता है कि यह बिल्कुल परफेक्ट जवाब है और मेरे पास हैम्पर है।'

हॉलीवुड फिल्म में नजर आयेगी हुमा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी हॉलीवुड फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करती नजर आयेगी।

हुमा कुरैशी, जैक स्नायडर की जॉम्बी फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' से हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'आर्मी ऑफ द डेड' फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' का सीक्वल है।

हुमा कुरैशी फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में गीता नाम का किरदार निभा रही हैं। हुमा ने फिल्म में अपनी मौजूदगी के बारे में बताया है। उन्होंने जैक स्नाइडर को टैग करते हुए लिखा, ÷इस प्रतिभाशाली व्यक्ति के विजन का छोटा सा हिस्सा बनने पर मुझे गर्व है।

'अन्नियन' की रीमेक में काम करेंगे रणवीर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह दक्षिण भारतीय सुपरहिट फिल्म 'अन्नियन' की हिंदी रीमेक में काम करते नजर आयेंगे। रणवीर सिंह ने अपनी आने वाली फिल्म का ऐलान कर दिया है। उनकी यह फिल्म दक्षिण भारतीय सुपरहिट फिल्म 'अन्नियन' की आधिकारिक रीमेक होगी।'अन्नियन' की रीमेक के लिए रणवीर सिंह और दक्षिण भारतीय फिल्म निर्देशक शंकर ने हाथ मिलाया है। फिल्म को पेन स्टूडियोज के डॉ जयंतीलाल गडा प्रोड्यूस करेंगे। रणवीर ने फिल्म का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा है , ÷गर्व से भारतीय सिनेमा के अग्रणी-दूरदर्शी मास्टर क्राफ्ट्समैन शंकर और दिग्गज प्रोड्यूसर डॉ. जयंतीलाल गड़ा के साथ कोलैबोरेशन की घोषणा करता हूं।

युफोनी ऑफिशियल ने मुंबई इंडियंस का धमाकेदार स्वागत

मुंबई (वार्ता)। रियलिटी शो 'दिल है हिंदुस्तानी' के पहले रनर अप युफेनी ऑफिशियल ने नए गाने के साथ पांच बार की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की चैंपियन मुंबई इंडियंस का धमाकेदार स्वागत किया है। युफेनी ऑफिशियल, युवा प्रतिभाशाली, संगीतकारों और कलाकारों का एक प्रसिद्ध बैंड अपनी पसंदीदा टीम मुंबई इंडियंस के लिए एक गाने के साथ आए है। बैंड बाजा प्रतियोगिता के विजेता रह चुके युफेनी ऑफिशियल ने एक संगीत रियलिटी टीवी शो में भाग लिया, जिसे 'दिल है हिंदुस्तानी' कहा जाता है। बैंड ने प्रथम उप विजेता ट्रॉफी जीती और इस शो को फिल्म निर्देशक करण जौहर, शेखर रवजियानी, शाल्मली खोलगड़े और बादशाह ने जज किया था। युफेनी ऑफिशियल अपने अद्भुत और भावपूर्ण संगीत के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध है। युफेनी ऑफिशियल का गठन 2015 में हुआ था और तब से यह बहुत अच्छा कर रहे हैं। इस बैंड का गठन तब हुआ जब बैंड के सभी सदस्यों ने एक ही कॉलेज में एक साथ प्रदर्शन करना शुरू किया, वे एक समूह के रूप में विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया था।

'शांति' बनकर हिट हुई थीं मंदिरा बेदी

मुंबई। अभिनेत्री, फैशन डिजाइनर और टीवी प्रेजेंटर मंदिरा बेदी 15 अप्रैल को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। उनका जन्म साल 1972 में कोलकाता में हुआ। मंदिरा ने अपनी स्कूलिंग मुंबई के कैथड्रल एंड जॉन कैनन स्कूल से की। इसके बाद उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर कॉलेज से ग्रेजुएशन की पढ़ाई की। मंदिरा ने अपने करियर की शुरुआत साल 1994 में टीवी सीरियल 'शांति' से की। दूरदर्शन पर प्रसारित इस सीरियल से मंदिरा घर-घर में शांति के नाम से मशहूर हो गईं। हालांकि सीरियल के बाद उन्हें लगभग वैसे ही रोल ऑफर होने लगे थे। अपनी छवि से अलग उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में निगेटिव किरदार करना स्वीकार किया। 'शांति' के बाद मंदिरा फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में काम किया। इसमें उनका छोटा सा रोल था। इसके बाद उन्होंने 'बादल', 'शादी का लड्डू', 'इत्तेफाक', 'साहो' सहित अन्य फिल्में कीं।

न्यूज गैलरी

रुपया 12 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया गुरुवार को 12 पैसे की मजबूती के साथ 74.93 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबार दिवस भारतीय मुद्रा 32 पैसे टूटकर 75.05 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी।

रुपये पर आज शुरू में दबाव रहा। यह 14 पैसे कमजोर होकर 75.19 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और एक समय 75.33 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था। बाद में शेयर बाजार में आखिरी समय में हुई लिवाली से मुद्रा बाजार में भी धारणा मजबूत हुई और रुपया 74.92 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। कारोबार की समाप्ति पर यह 74.93 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आधा फीसदी की नरमी के कारण भी रुपये को बल मिला।

सोने-चांदी के भाव टूटे

मुंबई (वार्ता)। वैश्विक बाजारों में पीली धातु में रही नरमी के बीच घरेलू वायदा बाजार में बुधवार को सोने चाँदी के भाव में मामूली नरमी देखी गई।

एमसीएक्स वायदा बाजार में आज सोना 72 रुपये यानी 0.15 प्रतिशत टूटकर 46,903 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुँच गया। सोना मिनी भी 50 रुपये यानी 0.11 प्रतिशत लुढ़ककर 46,624 रुपये प्रति 10 ग्राम बोला गया। इस दौरान चाँदी 121 रुपये यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67,777 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिकी। चाँदी मिनी भी 77 रुपये उतरकर 67,770 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 4.85 डॉलर टूटकर 1,740.40 डॉलर प्रति औंस पर रहा। जून का अमेरिकी सोना वायदा भी 2.90 डॉलर लुढ़ककर 1,744.70 डॉलर प्रति औंस बोला गया। इस दौरान चाँदी हाजिर 0.10 डॉलर चढ़कर 25.33 डॉलर प्रति औंस के भाव पर पहुँच गई।

बेंगलुरु ने हैदराबाद से जीती हारी हुई बाजी

चेन्नई (वार्ता)। शाहबाज अहमद (सात रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल 14 के मुकाबले में बुधवार को छह रन से हराकर अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

बेंगलुरु ने आक्रामक बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (57) के शानदार अर्धशतक और कप्तान विराट कोहली की 33 रन की पारी से आठ विकेट पर 149 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और फिर चेन्नई की मुश्किल विकेट पर हैदराबाद को नौ विकेट पर 143 रन पर थाम लिया।

शाहबाज अहमद ने पारी के 17वें ओवर में तीन बल्लेबाजों जानी बेयरस्टो, मनीष पांडेय और अब्दुल समद को पवेलियन भेजा। यह ओवर अंत में निर्णायक साबित हुआ। बेंगलुरु ने 18वें ओवर में विजय शंकर, 19 वें ओवर में जैसन होल्डर और 20वें ओवर में राशिद खान और शाहबाज नदीम का शिकार किया और हैरतअंगेज हासिल कर ली।

हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। मैक्सवेल ने जैसन होल्डर की पारी की आखिरी गेंद पर आउट होने से पहले 41 गेंदों पर 59 रन में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। कप्तान विराट ने 29 गेंदों पर 33 रन में चार चौके लगाए। विराट और मैक्सवेल ने तीसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़े।

शाहबाज अहमद ने 10 गेंदों पर 14 रन में एक छक्का लगाया। ओपनर देवदत्त पडिकल ने 13 गेंदों पर 11 रन में दो चौके लगाए। वाशिंगटन सुंदर ने आठ रन और काइल जेमिसन ने 12 रन बनाये।

हैदराबाद की तरफ से जैसन होल्डर ने चार ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट झटके जबकि लेग स्पिनर राशिद खान ने चार ओवर में मात्र 18 रन देकर दो विकेट निकाले। भुवनेश्वर कुमार, शाहबाज नदीम और टी नटराजन ने एक-एक विकेट लिया।

हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया।

स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ओम नाथ सूद क्रिकेट के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली (वार्ता)। संचित सभरवाल की धुँआधार बल्लेबाजी (84 रन ,6 छक्के, 7 चौके, 55 गेंदे) व अमन सहरावत (3/26) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ने राष्ट्रीय स्वाभिमान खेल परिसर मैदान पर खेले जा रहे 31वें अखिल भारतीय हितकारी ओम नाथ सूद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में रोहतक रोड जिमखाना को गुरूवार को छह विकेट से हराकर क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश किया। मुख्य अतिथि जितेन्द्र गाबा ने कुबेर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार संचित सभरवाल को व पारकी सांत्वना पुरस्कार क्रमशः ध्रुव घई को प्रदान किया।

बेन स्टोक्स को लगातार दूसरी बार विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार

लंदन (वार्ता)। इंग्लैंड के स्टार ऑल राउंडर बेन स्टोक्स को विश्व का प्रमुख विजडन क्रिकेटर चुना गया है। उन्हें लगातार दूसरी बार यह उपाधि प्राप्त हुई है और इस तरह वह इंग्लैंड के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्हें एक से अधिक बार यह पुरस्कार मिला है। इससे पहले उन्हें वर्ष 2020 में आईसीसी विश्व कप और एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन के आधार पर इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

इसके अलावा केंट के 44 वर्षीय डैरेन स्टीवेंस का नाम पांच क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल है जो अब तक के इतिहास में चौथे सबसे सीनियर क्रिकेटर हैं। स्टीवेंस के साथ वेस्ट इंडीज के अनुभवी आलराउंडर जेसन होल्डर, पाकिस्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और इंग्लैंड के दो नए शीर्ष क्रम के बल्लेबाज डोम सिबली और जैक क्रॉली को भी क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर पुरस्कार मिला है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी को विश्व की प्रमुख महिला क्रिकेटर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दुनिया के प्रमुख टी-20 क्रिकेटर का खिताब वेस्ट इंडीज के अनुभवी ऑल राउंडर कीरोन पालोर्ड ने जीता है।

आजम का शानदार शतक, पाकिस्तान को 2-1 की बढ़त

सेंचुरियन। कप्तान बाबर आजम (122) के शानदार शतक और उनकी मोहम्मद रिजवान (नाबाद 73) के साथ 197 रन की ओपनिंग साझेदारी की मदद से पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी-20 मुकाबले में बुधवार को नौ विकेट से पीटकर चार मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 203 रन का मजबूत स्कोर बनाया लेकिन पाकिस्तान ने 18 ओवर में ही एक विकेट पर 205 रन बनाकर मैच समाप्त कर दिया। आजम ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए मात्र 59 गेंदों में 15 चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 122 रन ठोके जबकि रिजवान ने 47 गेंदों पर नाबाद 73 रन में पांच चौके और दो छक्के लगाए। फखर जमान ने दो गेंदों का सामना किया और दो चौके लगाते हुए नाबाद आठ रन बनाकर मैच समाप्त कर दिया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की पारी में ओपनर जानेमन मलान ने 40 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 55 रन, एडन मारक्रम ने 31 गेंदों में छह चौकों और चार छक्कों की मदद से 61 रन , रैसी वान डेर डुसेन ने मात्र 20 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों के सहारे 34 रन और जॉर्ज लिंडे ने 11 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों के सहारे 22 रन बनाये जिससे मेजबान टीम 203 रन तक पहुंच सकी।

पेट्रोल-डीजल 15 दिन बाद सस्ता हुआ

नई दिल्ली (वार्ता)। पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार 15 दिन स्थिर रहने के बाद तेल विपणन कंपनियों ने गुरुवार को इनमें कटौती की। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 90.40 रुपये प्रति लीटर रह गया। डीजल की कीमत भी 14 पैसे घटकर 80.73 रुपये प्रति लीटर पर आ गई। इससे पहले लगातार 15 दिन तक दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ था। अन्य महानगरों में भी पेट्रोल और डीजल के दाम आज घटे हैं। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल 15-15 पैसे सस्ता होकर क्रमशः 96.83 रुपये, 92.43 रुपये और 90.77 रुपये के भाव बिका। मुंबई में डीजल 15 पैसे सस्ता होकर 87.81 रुपये, चेन्नई में 13 पैसे सस्ता होकर 85.75 रुपये और कोलकाता में 14 पैसे सस्ता होकर 83.61 रुपये प्रति लीटर पर रहा। पेट्रोल-डीजल के दाम की रोजाना समीक्षा होती है।

थोक मुद्रास्फीति आठ वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली (वार्ता)। पेट्रोलियम पदार्थों और खनिजों की कीमतों में भारी वृद्धि होने से मार्च 2021 में थोक मूल्यों पर आधारित थोक मुद्रास्फीति की दर आठ वर्ष के उच्चतम स्तर 7.39 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

सरकार की ओर से बृहस्पतिवार को यहां जारी आंकड़ों में बताया गया है कि मार्च 2020 में थोक मूल्य थोक मुद्रास्फीति की दर 0.42 प्रतिशत रही थी। फरवरी 2021 में थोक मुद्रास्फीति की दर 4.17 प्रतिशत रही थी।

आंकड़ों के अनुसार थोक मुद्रास्फीति में लगातार तीसरे महीने वृद्धि हुई है। मार्च 2021 में मुद्रास्फीति की दर 8 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है इससे पहले अक्टूबर 2012 में थोक मुद्रास्फीति की दर 7.2 प्रतिशत दर्ज की गयी थी।

मार्च 2021 में खाद्य पदार्थों की थोक मुद्रास्फीति की दर 5.28 प्रतिशत दर्ज की गई है। फरवरी 2021 में यह आंकड़ा 3.31 प्रतिशत था।

आंकड़ों के अनुसार मार्च 2021 में कच्चे तेल के दामों में 73.70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह पेट्रोल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में 32.15 प्रतिशत की तेजी आई है। खनिज पदार्थों के दाम 10.20 प्रतिशत बढ़े हैं। इसके अलावा रसोई गैस-एलपीजी की कीमत 10.30 प्रतिशत और पेट्रोल की कीमत 18.48 प्रतिशत बढ़ी है। हाई स्पीड डीजल के दामों में 18.27 प्रतिशत की कमी आई है। खाद्य पदार्थों में धान की कीमतें 1.38 प्रतिशत, दाल दलहन 13.14 प्रतिशत, फल 16.33 प्रतिशत, दूध 2.65 प्रतिशत तथा मांस, मछली और अंडा 5. 38 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि मोटे अनाज के दाम 1.38 प्रतिशत, गेहूं 7.80 प्रतिशत , सब्जी 5.19 प्रतिशत, आलू 33.10 प्रतिशत नीचे आए हैं।

सेंसेक्स

निफ्टी भी 76.65 अंक यानी 0.53 प्रतिशत चढ़कर 14,581.45 अंक पर पहुँच गया

शेयर बाजार में तेजी जारी, सेंसेक्स 260 अंक उछला

मुंबई (वार्ता)। दिग्गज कंपनियों में आखिरी समय में हुई लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे कारोबारी दिवस तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स करीब 260 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। बीच कारोबार में एक समय 500 अंक से अधिक की गिरावट में जाने के बाद सेंसेक्स अंत में 259.62 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 48,803.68 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 76.65 अंक यानी 0.53 प्रतिशत चढ़कर 14,581.45 अंक पर पहुँच गया।

दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने बिकवाली की। बीएसई का मिडकैप 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,923.58 अंक पर और स्मॉलकैप 0.03 फीसदी की छलाँग लगाकर 20,799.69 अंक पर रहा। धातु, बैंकिंग, वित्त और तेल एवं गैस क्षेत्र में लिवाली अधिक रही। अच्छे तिमाही परिणाम के बाद सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस का शेयर साढ़े तीन प्रतिशत से अधिक चढ़ा। ओएनजीसी का शेयर तीन प्रतिशत के करीब, आईसीआईसीआई बैंक का ढाई फीसदी और एचडीएफसी बैंक का दो फीसदी से अधिक की बढ़त में बंद हुआ। इंफोसिस और इंडसइंड बैंक के शेयर ढाई प्रतिशत से अधिक लुढ़क गये। एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख से घरेलू बाजारों में सुबह गिरावट रही, लेकिन बाद में यूरोप में जोरदार तेजी से घरेलू बाजारों ने वापसी की। एशिया में दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.38 प्रतिशत और जापान का निक्केई 0.07 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट 0.52 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.37 प्रतिशत लुढ़क गया। यूरोप में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफ्टीएसई 0.23 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.18 फीसदी चढ़ा। सेंसेक्स की शुरुआत 31.29 अंक की गिरावट में 48,512.77 अंक पर हुई और बिकवाली के दबाव में दोपहर से पहले यह 48,010.55 अंक तक लुढ़क गया। दोपहर बाद धीरे-धीरे वापसी करते हुये आखिरीकार गत दिवस की तुलना में 0.53 प्रतिशत ऊपर 48,803.68 अंक पर बंद हुआ।

बीएसई में कुल 3,057 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,247 कंपनियों के शेयर बढ़त में और 1,649 के गिरावट में रहे जबकि शेष 161 कंपनियों के शेयर अंत में अपरिवर्तित बंद हुये। निफ्टी 17.60 अंक की तेजी के साथ 14,522.40 अंक पर खुला। यह नीचे 14,353.20 अंक और ऊपर 14,597.55 अंक तक गया। अंत में 0.53 प्रतिशत चढ़कर 14,581.45 अंक पर बंद हुआ।

पंजाब को रोकने के लिए धोनी को आजमाना होगा अपना हर तीर

मुंबई (वार्ता)। अपना पहला आईपीएल मैच हार चुके महेंद्र सिंह धोनी और उनकी चेन्नई सुपर किंग्स को अपनी टीम के शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफहोने वाले दूसरे मुकाबले में अपने तरकश का हर तीर आजमाना होगा।

चेन्नई को उसके पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के हाथों सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जबकि पंजाब ने राजस्थान रॉयल्स से अपना पहला मुकाबला आखिरी गेंद पर जाकर जीता था चेन्नई और पंजाब अपना दूसरा मुकाबला खेलने उतरेंगी जबकि दोनों की इस बार आमने सामने यह पहली भिड़ंत होगी। पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने पिछले सत्र की अपनी फॉर्म को बरकरार रखते हुए 91 रन की शानदार पारी खेली थी । पंजाब के पास क्रिस गेल के रूप में एक धुरंधर बल्लेबाज है जो अपने दिन किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकता है। धोनी को पंजाब को काबू में रखने के लिए राहुल और गेल को अंकुश में रखना होगा।

धोनी को यह भी उम्मीद करनी होगी कि उसके बल्लेबाज खास तौर पर सुरेश रैना, अंबाटी रायुडू और वह खुद एक बड़ी पारी खेलें। रैना ने पहले मैच में अर्धशतक बनाया था जबकि रायुडू ने 23 रन बनाये थे और कप्तान धोनी खुद खाता खोले बिना आउट हो गए थे। चेन्नई की टीम दिल्ली के खिलाफ 188 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बावजूद वह मुकाबला सात विकेट से हार गयी थी।

न्यूज गैलरी

संजय वार्ड में पार्षद प्रमेंद्र तिवारी ने कराया सेने ट्रेजेसन

भाटापारा। कोरोना की दूसरी और खतरनाक दौर में अत्यधिक लोगो को अपनी चपेट में लेने और अधिकांश लोगो के प्रभावित होने की खबर के बाद संजय वार्ड का युवा पार्षद और सभापति प्रमेंद्र तिवारी ने एक बार अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए पुरे संजय वार्ड में सेनेट्रेजेसन कराया वही पार्षद प्रमेंद्र तिवारी ने वार्ड वासियो से लाक डाउन का अक्षरसः पालन करने अपने अपने घरो में सुरक्षित रहने और मास्क पहने रहने की अपील की। कोरोना के द्वितीय फेस ने इस बार अच्छा खासा असर दिखाया है। जिस प्रकार से शहर सहित ब्लाक में कोरोना संक्रमितो की संख्या में इजाफ़ा हो रहा है उसको देखते हुए दो गज दुरी मास्क है जरूरी वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है। कोरोना के दूसरे दौर ने कई ऐसे ऐसे लोगो को भी लील लिया है जिसकी कल्पना लोगो ने कभी नही की थी।आज हालत बद से बदत्तर होते जा रहे है ऐसे में लोगो को अपने घरो में ही रहने की ज्यादा जरूरत महसूस हो रही है।लेकिन जनता अभी भी लापरवाह ही नजर आ रही है। प्रसाशन द्वारा लोगो की जान माल की सुरक्षा की दृष्टी से लगाये गए लाक डाउन का उल्लंघन करते नजर आ रहे है जो की बहुत ही चिंता का विषय है। इस बीच करोना की बढ़ती रफ़्तार के बीच एक बार संजय वार्ड के युवा जागरूक पार्षद और सभापति प्रमेंद्र तिवारी ने अपने पुरे संजय वार्ड में स्वयं साथ में रहकर पुरे वार्ड का सेने ट्रेजेसन कराया। विदित हो की गत वर्ष भी पार्षद प्रमेंद्र तिवारी ने दो दो बार पुरे वार्ड में घूम घूम कर ना केवल सेने ट्रेजेसन कराया था बल्कि लोगो को सुरक्षा की दृस्टि और इस महामारी से बचाने आयुर्वेदिक दवा का वितरण भी किया था।ज्ञात हो की संजय वार्ड के रिहायशी इलाके में 3 दिनों में 2 लोगो की मौत होने और वार्ड के अनेक घरो के सदस्यों को कोरोना के प्रभाव शील होने से पार्षद प्रमेंद्र तिवारी ने अपनी सजगता व् जवाबदारी का निर्वहन करते हुए पुरे संजय वार्ड को सेने ट्रेजेसन कराया और वार्ड वासियो सहित नगर की महत्वपूर्ण जनता से लाक डाउन के दौरान अपने ही घरो में रहने और हमेशा मास्क लगा कर रहने की अपील प्रमेंद्र तिवारी ने की है।

जनसहयोग से जीतेंगे कोरोना की लड़ाई : सांसद पाण्डेय

राजनांदगांव। श्री शांति विजय सेवा समिति द्वारा उदयाचल भवन में शुरू किये गए निशुल्क कोविड केयर सेंटर के निरिक्षण पर पंहुचे सांसद संतोष पाण्डेय ने बताया की जनसहयोग से ही इस कोरोना महामारी पर जीत हासिल की जा सकती है. फ़मानव सेवा ही सर्वोत्तम सेवा

हैफ़ यह बताते हुए सांसद ने कहा कि मरीजो को भोजन-नास्ता, ओक्सीमीटर, थर्मामीटर जैसे उपकरण मुफ्त में उपलब्ध करा कर समिति द्वारा कोरोना मरीजो का उत्साह बढाया जा रहा है. हर बेड पर मेडिकल चार्ट व दवाई की किट, गरम पानी उपलब्ध करा कर कोरोना के मरीजो को प्राइवेट वार्ड जैसी सुविधा दी जा रही है. सांसद ने शहर के लोहाणा महाजन समाज द्वारा संचालित कोरोना मरीजो को निशुल्क उपलब्ध कराये जा रहे भोजन की व्यवस्था भी देखी. ऊन्होने मरीजो के स्वास्थ्य के अनुरूप बनाये जा रहे भोजन वितरण देख कहा की मरीजो को उपलब्ध स्वादिष्ट व सु पोषित भोजन से कोरोना से रिकवरी में सहायता मिलेगी. राजनांदगांव शहर में कोरोना मरीजो के उपचार व् उनकी सेवा हेतु तत्पर सभी सामाजिक संस्था द्वारा की जा रही मदद एवं सहयोग की प्रशंसा करते हुए सांसद ने कहा की राजनांदगांव को संस्कारधानी क्यों कहा जाता है यह बात यहाँ के सामाजिक संस्थाओ ने सिद्ध कर दिया. सांसद ने पुनः अपील की कोरोना महामारी में दौरान प्रशासन द्वारा जारी सभी प्रोटोकॉल का पालन करे. मास्क का प्रयोग करे व दो गज की दुरी का ध्यान रखे.

छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार, पीड़िता के शिकायत पर मैनपुर पुलिस ने की कार्यवाही

मैनपुर। पुलिस थाना मैनपुर से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम धवलपुर की पीड़िता के आरोपी द्वारा छेड़छाड़ करने की लिखित शिकायत पर दिनांक 14.04.2021 को आरोपी कुलेश्वर बारले पिता सोनी बारले उम्र 20 वर्ष निवासी धवलपुर के विरुद्ध अपराध क्र. 37/21 धारा 354 भादवि एवं 8 पांक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर 15 दिन के न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना दिनांक 12.04.2021 के रात 09.00 बजे की है जब पीड़िता अपने घर के बाहर बैठी थी कि उसी समय आरोपी आकर बोला कि तुम मुझे अच्छी लगती हो कहकर पीड़ित को लज्जित करने के नियत से जबरदस्ती हाथ बांह पकड़कर चुमने का प्रयास करने पर पीड़ित चिल्लाई तब उसकी दादी आवाज सुनकर घर से बाहर आयी जिसे देख आरोपी भाग गया। इससे पूर्व भी आरोपी द्वारा पीड़िता से छेड़छाड़ करने की घटना कर चुका है जिसे परिवार वाले समझाईश दिये थे। नहीं मानने पर आज दिनांक को पीड़ित के रिपोर्ट करने पर कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

नदीपारा ग्राम के समीप कोरोना पॉजिटिव मरीजों का दाह संस्कार किए जाने को लेकर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

- **लकड़ी का अस्थायी बेरीगेट लगाकर बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर लगाया गया प्रतिबंध**

नवप्रदेश संवाददाता

मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर से लगे ग्राम नदीपारा के ग्रामीणों ने ग्रामकेप्रवेशद्वार पर लकड़ी का अस्थाई बेरीकेट लगाकर बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है साथ ही ग्राम के नजदीक कोरोना से मृत शवों का दाह संस्कार किए जाने को लेकर नाराजगी व्यक्त करते कोरोना से मृत व्यक्तियों का ग्राम के नजदीक दाह संस्कार नही करने सूचना बोर्ड लगाया गया है ग्रामीणों ने इसका विरोध करते बताया कि विकासखंड मुख्यालय मैनपुर में लगातार कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ रही है जिसके बाद मृत शवो को दाह संस्कार के लिए नदीपारा ग्राम मुक्तांगन एवं नदी में किया जा रहा हैं जिससे संक्रमण का खतरा ग्राम वासियों पर मंडरा रहा है ज़िला प्रशासन द्वारा 13 से 23 अप्रैल तक पूर्ण लॉकडाउन किया गया जिसके बाद ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत सरपंच को अवगत करवाया गया है नदीपारा ग्राम की सीमा को सील किया गया है ताकि शवो का दाह संस्कार इस स्थान पर न किया जा सके और बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित किया जा सके। इस दौरान तालेश्वर पांडे, ईश्वर पांडे, खिलेंद्र पांडे, नारायण पटेल, राघव पटेल, रेवा लाल, जितेंद्र पटेल, कार्तिक, कमल यादव, बैजनाथ, गैंदलाल, तोरण सिंह, सोमनाथ, मेघनाथ, मोहनू, अरुण यादव, हेमंत, उमाशंकर, उदेराम, बेनूराम, श्रीमती गोदावरी पटेल, मालती पटेल, सुहागा पाड़े, जमुना बाई, जोगनी बाई सहित मैनपुर के आश्रित ग्राम नदीपारा के ग्रामीणों ने दाह संस्कार को लेकर चिंता जताए है।

मृत्यु के बाद परिजनों ने मचाया हंगामा

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटगांव के डॉक्टरों की सामने आई लापरवाही

- **स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाए एक मरीज ने गाड़ी में ही बैठे-बैठे अपना दम तोड़ दिया**

नवप्रदेश संवाददाता

भटगांव। मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम गिरवानी निवासी राम गुलाल रात्रे को सुबह 9:15 बजे के आसपास कोरोना टेस्ट के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटगांव लाया गया था , परंतु डॉक्टर की उपस्थिति नहीं होने के कारण उन्हें 11 बजे तक कोरोना टेस्ट के लिए इंतजार करना पड़ा! जबकि 11 बजे से पहले डॉक्टरों को स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध हो जाना चाहिए था ! वही 11 बजे के बाद राम गुलाल रात्रे का कोरोना टेस्ट किया गया, परिजनों को टेस्ट रिपोर्ट के लिए घंटो इंतजार करना पड़ा. इधर रामगुलाल का हालात और बिगड़ता जा रहा था. तभी परिजनों ने रामगुलाल के बिगड़ते हालात को देख डॉक्टरों से कोरोना टेस्ट का रिपोर्ट बार- बार माँगता रहा. लेकिन डाक्टरों द्वारा रिपोर्ट नहीं दिया गया . प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से रिपोर्ट मिलता तब तक काफी देर हो चुका था और राम गुलाल रात्रे गाड़ी में ही बैठे-बैठे दम तोड़ दिया. मृत्युपरांत परिजनों ने अपनी गुस्सा जाहिर की तब जाके प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से कोरोना का टेस्ट रिपोर्ट दिया गया. वहीं रिपोर्ट में कोरोना नेगेटिव आया. मृतक के साथ आए परिजनों ने डाक्टरों पर और सिस्टम पर लेटलतीफी का आरोप लगाया और अपनी गुस्सा जाहिर की।

वहीं दूसरी ओर घटना की जानकारी मिलते ही बिलाईगढ़ एस डी एम और भटगांव थाना की टीम मौके पे पहुँच जानकारी ली और मृतक के परिजनों द्वारा लगाए जा रहें आरोप को निराधार मिथ्या बताया।

जिले के विभिन्न सामाजिक संगठन कोरोना से निबटने सहयोग देने तत्पर

- **कलेक्टर ने ली समाज प्रमुखों की बैठक**

बेमेतरा। कलेक्टर शिव अनंत तायल ने आज दोपहर कलेक्टोरेट सभाकक्ष मे विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर कोरोना संक्रमण से निपटने विचार विमर्श किया और जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों के संबन्ध मे जानकारी दी। सामाजिक संगठनों ने भी कलेक्टर को आश्वस्त किया कि वैश्विक महामारी कोरोना से निपटने के लिए संकट के समय जिले के सामाजिक संगठन मदद के लिए हमेशा तत्पर हैं। बैठक मे विधायक बेमेतरा आशीष कुमार छाबड़ा, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, अपर कलेक्टर संजय कुमार दीवान, एएसपी विमल कुमार बैस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक मे सिन्धी समाज बेमेतरा द्वारा जरुरत पड़ने पर सामाजिक भवन को कोविड केयर सेन्टर के रुप मे उपलब्ध कराने की सहमति दी। इसी तरह सिक्ख समाज द्वारा भी सामाजिक भवन उपलब्ध कराये जाने के लिए भी अपनी सहमति दी। कलेक्टर ने कहा कि कोरोना संक्रमण से निपटना इस समय सबसे बड़ी चुनौती है। जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे है।

सांसद ने कोरोना संक्रमण के मद्देनजर जम्बो मेडिकल आक्सीजन सिलेंडर हेतु दिए पांच लाख रुपए

- **सांसद संतोष पांडेय ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर जताई चिंता, लोगों से सतर्क व जागरूक रहने की अपील,**

कवर्धा। कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ते ही जा रहा है। चारो तरफ हाहाकार मचा हुआ है। इस बीच राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडेय ने कबीरधाम जिले में वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण कोविड-19 के रोकथाम व नियंत्रण हेतु आवश्यक उपकरण क्रय करने के उद्देश्य से सांसद मद से 5 लाख रुपए प्रदान करने हेतु अनुशंसा की है। इस बाबत उन्होंने कलेक्टर को पत्र भी सौंप दिया है।

सांसद संतोष पांडेय ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की। वे लगातार लोकसभा क्षेत्र के राजनांदगांव व कबीरधाम जिले के हालात की जानकारी ले रहे हैं। साथ ही आवश्यक पहल व प्रयास भी कर रहे हैं। सांसद पांडेय ने कोरोना के रोकथाम के मद्देनजर जिले के डेडिकेटेड कोविड हास्पिटल व आइसोलेशन केंद्र हेतु जम्बो मेडिकल आक्सीजन सिलेंडर हेतु अपने सांसद मद से पांच लाख रुपए देने की अनुशंसा की है। उन्होंने इससे संबंधित पत्र कलेक्टर को सौंप दिया है। इसके पूर्व भी सांसद पांडेय ने कोरोना के रोकथाम व नियंत्रण के मद्देनजर अपने सांसद मद से 13 लाख रुपए प्रदान किए थे। उक्त राशि से जिले के डेडिकेटेड कोविड हास्पिटल में सेंट्रल आक्सीजन सिस्टम स्थापना, पीपीई किट आदि आवश्यक उपकरण की व्यवस्था की गई थी।

सांसद पांडेय ने जिले में कोरोना संक्रमण की रोकथाम व नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यों व प्रयासों को लेकर कलेक्टर से चर्चा की। उन्होंने हास्पिटल, कोविड सेंटर, आइसोलेशन केंद्र, क्वारनटाइन सेंटर आदि की स्थिति व व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर से जानकारी ली। उन्होंने हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया है। सांसद पांडेय ने सभी लोगों से कोरोना गाइडलाइन का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ते ही जा रहा है।

कोरोना के खिलाफजीतेंगे जंग

सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि शासन-प्रशासन के द्वारा लागू किए गए कोरोना गाइडलाइन का पूर्ण रूप से पालन करते हुए कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए समाज के सभी लोग एक साथ प्रयास करें। ताकि हम कोरोना के खिलाफजंग जीत सकें। कोरोना के खिलाफ जारी जंग में मैं हमेशा आप सभी के साथ खड़ा हूं। आप सभी धैर्य बनाए रखें। हम सभी कोरोना के खिलाफजंग जरूर जीतेंगे।

कबीरधाम जिले के असंगठित 107 पंजीकृत हितग्राहियों को मिले 29 लाख 3 हजार 500 रूपए

कवर्धा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप श्रममंत्री डॉ. शिव डहरिया के नेतृत्व में श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत असंगठित कर्मकारों के कल्याण और उनके आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले के श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना, असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना और सफाई कर्मकार छात्रवृत्ति योजना के तहत 107 पंजीकृत हितग्राहियों को सीधे उनके बैंक खाते के माध्यम से 29 लाख 3 हजार 500 रूपए जारी किए गए है। लाभान्वित हितग्राहियों में असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना के 79 हितग्राहियों को 7 लाख 90 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। प्रत्येक हितग्राहियों को योजना के तहत 10-10 हजार रूपए का लाभ दिया गया है। असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के 21 हितग्राहियों को 21 लाख रूपए स्वीकृत किए गए है। प्रत्येक हितग्राहियों को योजना के तहत एक-एक लाख रूपए का लाभ दिया गया है। इसी प्रकार सफाई कर्मकार छात्रवृत्ति योजना के 7 हितग्राहियों को 13 हजार 500 रूपए स्वीकृत किए गए है। कोविड-19, कोरोना वायरस के संक्रमण के बीच असंगठित कर्मकार के हितग्राहियों को योजना के लाभ मिलने से एक बड़ी राहत मिल सकती है।

कबीरधाम जिले के श्रम विभाग में पंजीकृत असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना के तहत लाभन्वित हितग्राहियों में सरोजनी साहू, उषा चंद्रवंशी, उमा मरकाम, गंगोत्री पंचतिलक, आशा निर्मलकर, नशिरून, बिना पटेल, पूर्णिमा, नीतू साहू, कुलश पटेल, रोशनी जांगड़े, प्रियंका, गायत्री गोस्वामी, अमरीका साहू, अश्वनी साहू, फुलेश्वरी पटेल, नेहा पटेल, शीतल यादव, मंदाकनी, जुगा बाई सिन्हा, रानी साहू, सुनीता पटेल, सरोजनी जायसवाल, डेरहीन जनार्दन, सुनिता साहू, ललिता कौशिक, नीलम साहू, भूमिका साहू, पंचवती, दुर्पती कौशिक, संतोषी राजपुत, गायत्री धुर्वे, हेशमति साहू, हेमलता साहू, लक्ष्मी पटले, दिलेश्वरी यादव, राजेश्वरी, सुप्रिता साहू, सुखयारिन, उषा बाई, रजनी जोशी, मंदाकनी यादव, राजमति साहू, पंची साहू, ललिता, चमेली बाई, अगरोतीन, गनेश्यि निर्मलकर, लक्ष्मी महरा, सबिता बघेल, घुरैया बाई टेकाम, रजनी बाई, सीमा निर्मलकर, फुलकुंवर बाई, आरती साहू, कुबरा खान, परवीन, ठामिनी कोसरिया, रेखा बाई, रोशनी यादव, राजकुमार पटेल, मंती बाई, ममता कौशिक, पुष्पा साहू, संतोषी धुर्वे, शशि सतनामी, जिंदेश्वरी चंद्रवंशी, यमुना बाई, भारती पाली, पूजा मागरे, मनीषा चंद्रवंशी, मीना झारिया, सकुन निषाद, राना बाई साहू, अनिता पटेल, रानू साहू, फुलकैना शामिल है।

कबीरधाम जिले में कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने समाजिक संगठनों से मदद का सिलसिला जारी

कवर्धा। कोविड-19 कोरोना वायरस से संक्रमित नागरिकों के बेहतर उपचार और उन्हें ऑक्सीजन सिलेण्डर उपलब्धता बनाएं रखने के लिए कबीरधाम जिले में विभिन्न सामाजिक संगठनों, सामाजसेवी संस्थानों और व्यक्तिगत रूप से राज्य शासन और जिला प्रशासन के सहयोग के लिए मदद का सिलसिला जारी है। आज कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा से भेंटकर समाजसेवी श्री विनोद अग्रवाल ने 1 लाख रूपए, श्री श्याम तंबोली एवं आशा तंबोली ने 1 लाख रूपए और समस्त ठेकेदार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के सदस्यों ने 1 लाख 50 हजार रूपए का चेक भेंटकर सहयोग प्रदान किया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और केबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मंशानुरूप कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा ने विगत दिनों जिला कार्यालय में जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, समाजसेवी संस्थानों और समाज प्रमुखों की बैठक ली थी। बैठक के पहले दिन ही जिले के विभिन्न समाज और संगठनों द्वारा सामने आकर 9 लाख 91 हजार रूपए का सहयोग प्रदान किए है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

'कैशलेस' बीमा कंपनी और..

प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इससे न सिर्फ जनता को राहत मिलेगा अपितु राज्य सरकार पर पड़ने वाले करोड़ो रूपये के आर्थिक भार पर भी असर होगा ।

जल्द भिलाई, राउरकेला...

द्वारा 50 हजार इंजेक्शनों का आर्डर दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं तीन कम्पनियों से चर्चा की है, सभी से सकारात्मक उत्तर मिले हैं। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में लगातार बिस्तरों की संख्या बढ़ रही है। भोपाल एम्स में मल्टीकेयर हॉस्पिटल के रूप में व्यवस्था की जा रही है। इसे कोविड के लिए चिन्हित कर यहाँ उपलब्ध बिस्तर तथा आगामी दिनों में खाली होने वाले बिस्तर कोविड के लिए रखे जाएंगे। इसके साथ ही प्रशासन अकादमी में नर्मदा अस्पताल के सहयोग से 150 बिस्तर का कोविड केयर सेंटर विकसित किया जा रहा है। रेडक्रास हॉस्पिटल भोपाल में भी कोविड केयर सेंटर बनाया जा रहा है। इंदौर में राधा स्वामी सत्संग न्यास के सहयोग से 500 बिस्तर का कोविड केयर सेंटर बनाया जा रहा है। शीघ्र ही यहाँ 2 हजार बिस्तरों की व्यवस्था होगी। जबलपुर, ग्वालियर और अन्य शहरों में भी निजी क्षेत्र के सहयोग से बिस्तरों के बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि 49 जिलों में कोविड केयर सेंटर बनाये जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण का सामना करने के लिए सभी दिशाओं में युद्ध स्तर पर कार्रवाई जारी है। संक्रमण की चेन तोड़ना जरूरी है। इसके लिए जिलों में आपदा प्रबंधन समूह कोरोना कर्फ्यू लगाने का निर्णय ले रहे हैं। जनता अपनी मर्जी से संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए आगे आ रही है, यह जागरूकता का परिणाम है। उन्होंने जन-सामान्य से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। किसान भाई एसएमएस प्राप्त होने पर ही उपज के उपार्जन के लिए जाएँ। हम आत्मानुशासन, स्वयं के संकल्प, दृढ़ इच्छा, संयम, धैर्य और उत्साह से इस युद्ध में विजय प्राप्त करेंगे।

महाराष्ट्र से राज्य में...

है। उन्होंने कहा कि रेमडेसीविर इंजेक्शन के लिए रायपुर के मेकाहारा में काउंटर शुरू किया जा रहा है। इस इंजेक्शन की सुचारू आपूर्ति के लिए महाराष्ट्र और हैदराबाद वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा गया है। सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं और इनके नम्बर जारी कर दिए गए हैं। प्रवासी मजदूरों के लिए ग्राम पंचायतों को क्वारेंटाईन सेंटर स्थापित करने के निर्देश दे दिए गए हैं। कोरोना से बचाव और रोकथाम के उपायों की समीक्षा जिले के प्रभारी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों द्वारा वर्चुअल मीटिंग लेकर की जा रही है। जरूरतमंदों को कोई परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने विकासखण्ड स्तर पर हास्टल और सामाजिक भवनों में बेड की व्यवस्था करने, अन्य स्थानों पर भी शासकीय और निजी हास्टल में बेड की व्यवस्था करने का सुझाव दिया। भारतीय जनता पार्टी के शिवरतन शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों पर जल्द भर्ती करने, आयुषमान योजना में अन्य अस्पतालों को जोड़ने का सुझाव दिया। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन मरकाम ने कहा कि उनके दल द्वारा हर जिले में कंट्रोल रूम स्थापित कर लोगों की सहायता की जा रही है। दल के विधायक, महापौर, पार्षद मुख्यमंत्री सहायता कोष में एक माह का वेतन देंगे। जरूरतमंदों को सूखा राशन और दवाईयां पहुंचाने का काम भी किया जा रहा है। बुजुर्गों को टीकाकरण स्थल तक पहुंचाने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राहत कोष में छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठानों द्वारा सीएसआर मद से दी गई राशि छत्तीसगढ़ को मिलनी चाहिए। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के श्री नीलकंठ त्रिपाठी ने ऑक्सीजन की कमी, निजी अस्पतालों द्वारा उपचार में अत्यधिक शुल्क लेने जैसी समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट किया गया। जनता कांग्रेस के श्री अमित जोगी ने 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के टीकाकरण, कोरोना मरीजों की टेस्टिंग और ट्रेकिंग के संबंध में सुझाव दिए। शिवसेना के श्री धनंजय परिहार ने रेमडेसीविर इंजेक्शन के उपयोग के बारे में जागरूक करने की जरूरत पर बल दिया। सीपीआईएम के श्री धनराज महापात्र ने चिकित्सा के क्षेत्र में ढांचागत सुविधाएं विकसित करने के लिए पीएम केयर फण्ड से विशेष राहत की मांग की। गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी और समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि ने भी बैठक में सुझाव दिए।

विदेशी वैक्सिन के...

बाद सीडीएससीओ ने नियामकीय मंजूरी को लेकर विस्तृत निर्देश जारी किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को विदेश में निर्मित कोविड-19 रोधी टीके के लिए नियामकीय निर्देश जारी किया। इसके मुताबिक, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किया है जिसमें विदेश में मंजूर टीकों को लेकर जानकारी दी गयी है। सरकार ने 13 अप्रैल को यूएसएफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए, पीडएमडीए जापान द्वारा मंजूर या डब्ल्यूएचओ में सूचीबद्ध कोविड-19 टीकों को अनुमति देने का फैसला किया था।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद छत्तीसगढ़
eegar-phe-cg@nic.in

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों से प्रपत्र ''ए'' में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सोलर आधारित जलप्रदाय योजनांतर्गत निर्माण कार्य की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

नि.सू.क्र./ दिनांक	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	ग्राम/विकासखंड का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
66/05.04.2021	75780	वि.खं. गरियाबंद के ग्राम बिन्द्रानवागढ़ (आदिवासीपारा, पहाड़पारा, बोईरखेड़ा, महेन्द्रगढ़, धमकाडोनी, बागबाहरा)	47.33
67/05.04.2021	75781	वि.खं. गरियाबंद के ग्राम भेजराडीह, हरिजनपारा, (धवलपुरडीह) गरभनतोरा, कमारपारा (गरभनतोरा), कमारपारा (हरदी) एवं तालाबपारा (हरदी)	39.02
68/05.04.2021	75782	वि.खं. गरियाबंद के ग्राम भैंसातरा, कमारपारा, (भैंसातरा) हाथमौहा, कोदोमाली, टेवारी, मारागांव	42.54
69/05.04.2021	75784	वि.खं. मैनपुर के ग्राम अमलीपदर-बहरापारा, अमलीपदर, कुरलापारा मुचबहाल, डोंगरीपारा एवं गोहरापदर-डाकोपारा।	32.23
70/05.04.2021	75785	वि.खं. गरियाबंद के आदिवासीपारा (मरदाकला), बोकरामुड़ा (दलदली) केरगांव, बोईरगांव (मुहवाभाठा), एवं कच्छपारा (नागागुड़ा)	40.17
71/05.04.2021	75786	वि.खं. गरियाबंद के ग्राम धमना, पिपरछेड़ीभुंजिया, बाघमार, कोचईमुड़ा, पिपकन्हार एवं बिन्द्रानवागढ़ (जंगलपारा)	44.25
72/05.04.2021	75787	वि.खं. गरियाबंद के नवापारा (बरबाहरा), बेगरपाला, सड़कपारा (बेगरपाला), कालोनी (सिकासार) टीमनपुर एवं छुहीखदान।	37.28

नोट :- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://cgstate.gov.in दिनांक 12.04.2021 से देखी जा सकती है तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 28.04.2021 है।

जी-60223/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
गरियाबंद (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

15_Nav pradesh Page_07 Raipur.qxd 15/04/2021 8:20 PM Page 1

न्यूज गैलरी

लॉकडाउन का पालन कराने पाण्डुका पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

गरियाबंद। लॉकडाउन का पालन कराने को पाण्डुका पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च इस दौरान लॉकडाउन व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए पुलिस ने ग्राम पंचायत पाण्डुका व कोपरा में फ्लैग मार्च निकाला। पाण्डुका थाना प्रभारी बसंत बघेल के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया । इस दौरान ग्रामवासियों से अपील की गई कि कोरोना संक्रमण का चेन तोड़ने के लिए लाकडाउन का सख्ती से पालन करें। घरों से बाहर न निकलें। घर में ही सुरक्षित रहकर प्रशासन का सहयोग करें। फ्लैग मार्च के दौरान थाना प्रभारी पाण्डुका बसंत बघेल ने आम जनता को जिला प्रशासन गरियाबंद द्वारा जारी कोरोना के गाइड लाइन एवं निर्देशों का कड़ाई से पालन करने समझाइश के साथ हिदायत दी गयी। आम जनता से अपील की गई कि अति आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले, बाहर निकलने के दौरान मॉस्क का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, हाथों को बार-बार साबुन से धोये एवं सेनेटाइज करें तथा शारीरिक दूरी का पालन करें। पुलिस अफसरों ने बताया कि लोग कोरोना वायरस को हल्के में ले रहे है। यही वजह है कि व्यापारी से लेकर ग्राहक, आम लोग बेपरवाह होकर लापरवाही बरत रहे है, इसके कारण ही तेजी से संक्रमण फैलता गया और हालात बेकाबू होने के कारण लाकडाउन लगाना पड़ा। फ्लैग मार्च के दौरान जनपद पंचायत फिंगेश्वर उपाध्यक्ष योगेश साहू , ग्राम पंचायत कोपरा सरपंच डाली साहू ग्राम पंचायत पाण्डुका सरपंच दुर्गेश्वर ठाकुर सहित ग्राम सुरक्षा समिति , कमांडो समिति उपस्थित थे ।

कोविड-19 हॉस्पिटल में ताजा भोजन दिया जा रहा है

गरियाबंद । जिले के डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल और कोविड केयर सेंटर में मरीजों को दिये जाने वाला भोजन ताजा और जांच कर दिया जा रहा है । कलेक्टर नीलेशकुमार क्षीरसागर आज दोपहर स्वयं जाकर मरीजों से बात की और खाना के सम्बंध में जानकारी ली। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फार मेमन, अनुविभाग अधिकारी ,स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और द् सुरक्षा अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने मरीजों को समझाइश दी कि उन्हें शिकायत मिली है,जिस पर वे स्वयं संज्ञान ले रहे हैं। उन्होंने मरीजों से धैर्यपूर्वक उपचार कराने और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने कहा। मौके पर मौजूद खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री तरुण बिड़ला ने बताया कि मरीजों को ताजा भोजन दिया जा रहा है ।बासी और खराब भोजन देने की खबरें भ्रामक है । उन्होंने कहा कि कलेक्टर के आदेश के पश्चात दोनों समय और नाश्ता की गुणवत्ता का वे स्वयं जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ ढाई सौ मरीजों को खाना दिया जा रहा है यह संभव है कि खाना ठंडा हो लेकिन बासी खाना कतई नहीं है । उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और कोविड अधिकारियों से मिलने के पश्चात मरीजों को दोनों पहर और नाश्ता गर्म ही दिए जाने की तैयारी है । उन्होंने कहा कि हम मरीजों के स्वास्थ्य का पूरी तरह देखभाल कर रहे है और उन्हें ताजा और गर्म भोजन उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता में है ।

मैनपुर मे बाबा साहब की 130 वीं जयंती घरो मे पूजा अर्चना कर मनाई गई

मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर स्थानीय अंबेडकर चैक मे बुधवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 130 वीं जयंती बाबा साहब के आदर्शो को याद करते मोमबत्ती जलाकर मनाई गई, बौध्द महार समाज के लोगो द्वारा लॉक डाउन के नियमो का पालन करते हुए घरो मे बाबा साहब की प्रतिमा का पूजा अर्चना कर जयंती मनाने अपील किया गया था जिसके चलते अम्बेडकर चैक स्थित अम्बेडकर जी के मूर्ति की पूजा अर्चना करने इस वर्ष लोगो की भीड़ नही देखी गई। देश के संविधान निर्माण में बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए लोगों ने उनके बताये मार्ग पर चलने संकल्प लिया गया। वहीं समाज के प्रमुख जनो ने बाबा साहब की मूर्ति का सोशल डिस्टेसिंग नियमो का पालन करते हुए बारी बारी से विधिवत पूजा अर्चना एवं मोमबत्ती जलाकर नीला ध्वज फहराया गया, इस दौरान प्रमुख रूप से बौद्ध महार समाज के उपाध्यक्ष हिमांशु रामटेके, कोषाध्यक्ष प्रवीण बाम्बोडे, सचिव खिलेन्द्र कुटारे, खन्ना रामटेके, नंदलाल वासनिक, महेश बम्बोडे, अमित रामटेके, जोहन वाल्मीक, गौरव बाम्बोडे, निखिल जगत, सिया बाई, हुकुम वासनिक, सकुन्तला रामटेके, केसर बाम्बोडे, पवित्रा बम्बोडे, वैभवी बाम्बोडे सहित समाज जन उपस्थित रहे।

कोविड अस्पताल खुलने पर महिला मोर्चा ने विधायक का जताया अभार

भाटापारा । नगर में हटरी बाजार स्थित अंडर ब्रिज के समीपस्थ को राना मरीजों के लिए विधायक शिवरतन शर्मा एवं नगर के सभी डॉक्टरों के सहयोग से 30 बिस्तरों के शुरू हुए अस्पताल की सराहना करते हुए महिला मोर्चा की अध्यक्ष नीरा देवी साहू महामंत्री चंद्रकला साय शालिनी चौरसिया उपाध्यक्ष आयशा खान राजकुमारी जांगड़ेमंत्री मधु सोनी ज्योति वर्मा योगेश्वरी साहू आदि महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज पूरा देश गोविंद महामारी की चपेट में आ गया है जिस पर हमारा नगर भी अछूता नहीं रह गया है यहां बड़ी तादाद में कोरोना के मरीज निकल रहे हैं एवं कई तो अपने जीवन से भी हाथ धो रहे हैं मरीजों की बढ़ती तादाद को लेकर विधायक शिवरतन शर्मा की पहल पर नगर के डॉक्टरों के सहयोग से शुरू हुए 30 बिस्तरों के अस्पताल से कोराना मरीजों को बहुत ही राहत मिलेगी महिला मोर्चा की नेत्रीओं ने कहा कि विधायक शिवरतन शर्मा हमेशा ही जन कल्याणकारी कार्यों में सक्रिय रहते हैं आज उन्हीं के प्रयास एवं नगर के चिकित्सकों के सहयोग से यह अस्पताल प्रारंभ हो रहा है।

लॉकडाउन का जायजा लेने निकले एसपी, नियम तोड़ने वालों पर दिये कार्यवाही के निर्देश

बेमेतरा। लॉकडाउन का जायजा लेने भ्रमण पर निकले एसपी दिव्यांग पटेल, अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा विमल कुमार बैस, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा, डीएसपी रामकुमार बर्मन, डीएसपी तोमेश वर्मा, रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा, सउनि संतोष ध्रुर्वे व नगरपालिका बेमेतरा अशोक ठाकुर के साथ प्रशासनिक अधिकारियों के टीम ने बुधवार को थाना नवागढ और नांदघाट के शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लॉकडाउन का जायजा लिया। नियम तोडने़ वालों पर कार्रवाई भी की गई। जिसमें 11 लोगों से 7500 रु समझौता शुल्क लिया गया। चालानी कार्रवाई के बाद इन सभी लोगों को अगली बार नियम न तोडने़ की सख्त हिदायत भी दी गई। एसपी ने आम नागरिकों को संक्रमण के प्रसार के रोकथाम हेतु रक्षात्मक उपायों को अपनाने एवं उसका पालन करने की अपील की।

कुदरत की मार और कोरोना के कहर से दाने-दाने को मोहताज दिमागी मेंटल

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। कुदरत की मार से अपनी दिमागी संतुलन खोए हुए आज कोरोना के कहर की दोहरी मार झेल रहे हैं। आलम यह है कि दिमागी मेंटल दाने दाने के लिए मोहताज दिखाई पड़ रहे हैं ।जिसे देख राहगीर थोड़ी पल के लिए मायूस तो हो जाते हैं ।लेकिन ऐसे मेंटल को उनकी बेबसी पर छोड़ कर भी निकल जाते हैं। जबकि इन्हें ना पारिवारिक संरक्षण होता है। और ना प्रशासनिक मदद मिल पाती है। और लॉकडाउन की स्थिति में तो दिमागी संतुलन खोए महिला पुरुष की स्थिति जानवरों से भी बदतर हो जाती है। मतलब सड़क किनारे पड़े सप्ताह भर के खाना या फिर अन्य खाद्यान्न को खाने के लिए मजबूर नजर आते हैं ।जिन्हें देख ना चाहते हुए भी आंख भर आता है। मगर अफसोस की बात है हम और आप इन जैसे दिमागी रूप से कमजोर लोगों के लिए कोई पहल नहीं कर पा रहे हैं। जबकि पक्षियों के लिए अपने आंगन के साथ घर के छत पर भी उनकी खानपान की व्यवस्था किया जाता है ।इसके अलावा कुत्ता मवेशियों तक के लिए व्यवस्था आसानी से हो जाती है ।मगर एक मेंटल मानव के लिए ऐसी व्यवस्था नहीं कर पाना पूरी मानवता को शर्मसार करता है। लेकिन इसके लिए दोषी भी किसी माने क्योंकि अपनों ने साथ छोड़ दिया। तो लाकड़ाऊं में प्रशासन ने मुंह मोड़ लिया है। और अक्सर लोग घर के भीतर बंद है। जो प्रशासन की सख्ती के चलते ऐसे पागलों की सहायता भी नहीं कर पाते। तभी कचरे पर पड़ी खाना को खाने के लिए मजबूर होते हैं। या फिर दिन और रात भूखे गुजारने के लिए बेबस ऐसे में लंबा लॉकडाउन के दरमियान इन मेंटल की जीवनी का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। और ब्लॉक पर तो दिनों दिन दिमागी असंतुलित महिला पुरुष की संख्या बढ़ रही है। जिनकी परवाह लॉकडाउन से पहले ना सामाजिक संगठनों ने किया और ना प्रशासन से ऐसी कोई पहल देखने को मिला हालांकि पिछले लॉकडाउन के दौरान जनपद सीईओ एमएल मंडावी मेंटल लोगों के लिए खाने की अलग से व्यवस्था किए रहे। लेकिन इस बार के लॉकडाउन में यह मेंटल कुदरत के भरोसे दिखाई पड़ रहे हैं। जिसकी शिकायत तक नहीं कर सकते फिर भी खाना की मदद नहीं हो पाती। जबकि मुख्यालय पर 4 से अधिक मेंटल चौक चौराहा में डेरा लगाए हुए हैं। या फिर कचरे के ढेर पर अपनी खुराक ढूंढते नजर आते हैं ।

> हमने पिछली बार दिमाग से असंतुलित लोगों के लिए व्यवस्था किया था और इस बार भी किया जाएगा
>
> **एमएल मंडावी,** जनपद सीईओ

अस्पतालों में नहीं हो रही एंटीजन जांच

आरटीपीसीआर के लिए करना पड़ रहा 10 दिनों का इंतजार, बढ़ रहा संक्रमण और खतरा

■ **इधर कोरोना वैक्सीन का भी संकट**

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। लॉकडाउन में कोरोना केस कम होगा यह सोचकर शासन प्रशासन ने इसे लागू किया। फैसला जिला प्रशासन पर छोड़ा कि लॉकडाउन लगाया जाए। जहां जैसी स्थिति हो जिले में बढ़ते कोरोना केस को देखते हुए लॉकडाउन तो लागू किया गया पर अपेक्षित असर नहीं दिख रहा है। उल्टा हालात बिगड़ते नजर आ रहे हैं। इसका बड़ा मामला अब अस्पतालों में एंटीजन टेस्ट किट खत्म होना तो वैक्सीन का संकट भी सामने आ रहा है। जिसके चलते लोग परेशान हो रहे हैं। अस्पतालों में लोग कोरोना जांच करवाने तो पहुंच रहे हैं पर उन्हें रिपोर्ट नहीं मिल पा रही है। तुरंत जो एंटीजन यानी रैपिड टेस्ट में जांच करके बता दिया जाता था कि उन्हें कोरोना है या नही, अब वह भी नहीं हो रहा है। ऐसे में लोगों का सैंपल तो लिया जा रहा है पर उन्हें रिपोर्ट 8 से 10 दिन बाद मिल रही है। ये हालात जिले भर के हर अस्पतालों में देखने को मिल रहा है। चाहे जिला अस्पताल की बात हो चाहे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हो या जहां पर भी कोरोना जांच के लिए सैंपलिंग की जाती है। इसके पीछे जिले में सुविधाओं की कमी भी एक बड़ा कारण है। आरटीपीसीआर जांच के लिए बालोद जिले को राजनांदगांव पर निर्भर रहना पड़ता है। यहां से सैंपल राजनांदगांव

भेजा जाता है। फिर वहां से आठ 10 दिन बाद रिपोर्ट आ पाती है। ऐसे में डॉक्टर भी कुछ ना कर पाने की बात कहते हैं। पर इसमें लापरवाही यह सामने आ रही है कि अगर कोई कोरोना जांच कराये हैं और उनकी कोई रिपोर्ट ही नहीं आई है तो ऐसी स्थिति में परिवार व संबंधित व्यक्ति भी असमंजस में रहता है कि उन्हें कोरोना है या नहीं। और जब बाद में रिपोर्ट आती है तो उन्हें पॉजिटिव होने का पता चलता है, इस रिपोर्ट आने के पहले तक वे कई लोगों के संपर्क में आ चुके रहते हैं और संक्रमण भी बढ़ जाता है। कई मर्तबा यह भी बात सामने आ रही है कि कोरोना जांच करवाने वाले लोगों की तबीयत भी पहले से ज्यादा बिगड़ जाती है। क्योंकि उनकी रिपोर्ट आई नहीं रहती। इसलिए भी कोरोना के हिसाब से ट्रीटमेंट नहीं लिए रहते। लेकिन आठ 10 दिन बाद जब रिपोर्ट आती है तब तक उनकी तबीयत और ज्यादा खराब हो जाती है और जब उनका इलाज शुरू होता है तो फिर संभालना मुश्किल हो जाता है। जो मौतें हो रही हैं उनके पीछे भी यह एक बड़ा कारण सामने आया है। समय पर इलाज शुरू न हो पाने की वजह से उनकी जान चली जाती है या यूं कहें कि इलाज तब शुरू होता है जब कोरोना उनके शरीर पर हावी हो जाता है और डॉक्टर तब तक इलाज शुरू नहीं करते जब तक कि रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आती। पहले होता यह था कि एंटीजन टेस्ट करा लेते थे, जिनकी रिपोर्ट पॉजिटि आती थी उनका तत्काल ट्रीटमेंट शुरू कर दिया जाता था। चाहे होम आइसोलेशन पर रहे चाहे कोविड केयर सेंटर पर। लेकिन अब स्थिति दूसरी हो गई है। आरटीपीसीआर रिपोर्ट का इंतजार रहता है। रिपोर्ट आए बगैर इलाज नहीं होती और एंटीजन टेस्ट अस्पतालों में कीट के अभाव में हो ही नहीं रहा है। इससे वास्तविक मरीजों की संख्या भी अब तक पता नहीं चल पा रही है।

कोरोना वैक्सीन का भी बन गया है संकट

एक तरफजहां कोरोना जांच के लिए निर्धारित किट उपलब्ध नहीं हो रहे हैं तो दूसरी ओर अस्पतालों में वैक्सीन की कमी भी एक बड़ा संकट बन गई है। एक तरफ लोग बीमारी से जूझ रहे हैं तो उस बीमारी से बचाने के लिए लगाया जाने वाले वैक्सीन के सप्लाई में भी कमी आ गई है। इसकी वजह से कई लोगों को दोबारा वैक्सीन नहीं लग पा रही है। उनके दिन करीब आ रहे हैं उन्हें 28 दिन के भीतर वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई जानी है। लेकिन हालात ऐसे हैं कि जो पात्र हैं उन्हें भी वर्तमान में वैक्सीन नहीं लग पा रही है। अलग-अलग अस्पतालों में जहां बीच में वैक्सीनेशन की प्रक्रिया शुरू की गई थी वहां भी अब वैक्सीन लगवाना बंद कर दिया गया है। सिर्फ ब्लॉक मुख्यालय या जिला मुख्यालय के अस्पतालों में वैक्सीन लगाया जा रहा है। पहले वैक्सीन सेंटर बनाए गए थे लेकिन अब वैक्सीन की सप्लाई में कमी के चलते उन सेंटरों को भी अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। ऐसे में कुल मिलाकर देखा जाए तो स्वास्थ्य अमला वैक्सीनेशन में भी पिछड़ रहा है। लोग वैक्सीन लगाने के लिए तैयार बैठे हैं। उनकी बारी नहीं आ पा रही है। क्योंकि अस्पतालों में वैक्सीन ही नहीं पहुंच रही है। कई मर्तबा वैक्सिंग लगाए जाने के बाद भी लोगों को कोरोना का शिकार होना पड़ रहा है। यह भी लोगों को समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर हम संक्रमित कैसे हो रहे हैं। तो डॉक्टर यह कहते हैं कि वैक्सीन लगवाने के बाद कोरोना होगा नहीं, ऐसी बात नहीं है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। वैक्सीन लगवाने के बाद भी हमें सभी सुरक्षा की बातों का ध्यान रखना पड़ेगा

सुरक्षा सुविधाएं नहीं मिलने से कोरोना ड्यूटी कर रहे टीचरों में नाराजगी

नव प्रदेश संवाददाता

भाटापारा। कोरोना ड्यूटी कर रहे शिक्षकों का एक बड़ा वर्ग वैक्सीनेशन सेंटर और कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग के दौरान पर्याप्त सुरक्षा संसाधन की मांग उठा रहा है। अपने कई साथी टीचरों की मौत के बाद शिक्षक समुदाय इस बात से बेहद नाराज है कि आखिर सरकार फ्रंट वारियर्स का दर्जा शिक्षकों को क्यों नहीं दे रही है?

कोरोना संकट के पहले दौर में भी हमने कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग का काम किया था। कंटेनमेंट जोन में प्रवेश कर एक-एक घर की जांच की थी। बड़ा खतरा मोल ले कर अपनी जिम्मेदारी निभाई थी। अब दूसरी लहर बेहद घातक वार कर चुकी है ,जिसकी चपेट में आकर कई शिक्षक जान गंवा चुके हैं। कारणों की तह में जाने पर कई लापरवाहियां सामने आ रहीं हैं। इसे गंभीर मानते हुए दूर करने की आवाज उठने लगी है। संक्रमितों के बीच जाकर काम कर रहे शिक्षकों ने अब वैक्सीनेशन सेंटर और कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग के दौरान पर्याप्त सुरक्षा की मांग उठाई है। कहा जा रहा है कि दोनों जगह खतरे के बीच काम करने से न केवल संक्रमित हो रहे हैं बल्कि असमय मौत जैसी विपदा परिजन झेल रहे हैं। इसलिए हर वह सुरक्षा की जाए जो स्वास्थ्य कर्मियों को दी गई है।

मांग बीमा कवर की

शिक्षक समुदाय ने कोरोना ड्यूटी कर रहे शिक्षकों को फ्रंट वारियर्स मानते हुए वैक्सीनेशन में प्राथमिकता की मांग उठाई है। इसके अलावा 50 लाख का बीमा कवर भी दिए जाने की गुहार सरकार से की है। साथ ही वैक्सीनेशन सेंटर और कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग की जिम्मेदारी निभा रहे शिक्षकों को जरूरी सुरक्षा की सुविधा मुहैया करवाने के लिए सरकार से कहा है।

खतरे के बीच ये काम

संक्रमण के नित नए आंकड़े। एक के बाद एक, बनते कंटेनमेंट जोन। इनके भीतर जाकर संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर सुनिश्चित किया टेस्ट के लिए। इस दौरान खतरा बराबर मंडराता रहा। अब दूसरी लहर के बीच वैक्सीनेशन सेंटर में ड्यूटी कर रहे हैं और फिर से कांटेक्ट ट्रेसिंग का काम करने की जिम्मेदारी उठाई हुई है।

व्यापारी हित में कोविड कमांडो बन कर कार्य करें : योगेश अग्रवाल

राजनंदगांव। चेंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व संरक्षक योगेश अग्रवाल ने आज व्यापारी एकता पेनल के प्रदेश के सभी प्रत्याशियों की ऑनलाइन वर्चुअल बैठक ली . जिसमें उन्होंने सभी प्रत्याशियों को आव्हान किया कि करोना संक्रमण काल में व्यापारी हित में अपने स्तर पर प्रयास करें प्रत्येक जिले में कोबिट पेशेंट की मदद के लिए 5 लोगों की समिति गठित करें , जरूरत पड़ने पर हमें आवाज दें ।श्री अग्रवाल ने कहा कि व्यापारी हित में वह सदैव तत्पर रहेंगे किसी भी तरह की समस्या में वे सदैव ही व्यापारी के साथ खड़े रहेंगे ।

आज की इस बैठक में सभी व्यापारियों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए जिसमें यह भी कहा गया कि 19 अप्रैल के पश्चात अब और लॉकडाउन न किया जाए कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने के लिए शुक्रवार शाम से सोमवार सुबह तक 2 दिन का पूर्ण लाभ डाउन किया जा सकता है जिससे संक्रमण की चेन टूटेगी लेकिन 5 दिन सभी प्रतिष्ठान खुले रखे जाएं और मास्कऔर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन व्यापारी स्वयं भी करें औरों को भी कराएं तभी हम संक्रमण के इस महत्वपूर्ण दौर से उबर सकते हैं, आज की इस वर्चुअल बैठक में एक महत्वपूर्ण सुझाव यह आया कि लॉकडाउन के समय में ऑनलाइन बाजार को भी पूरी तरह से बंद होना चाहिए।

कोरोना गाईड लाइन का नहीं हो रहा पालन

प्राइवेट अस्पताल में बिना डॉक्टर के चल रहा क्लीनिक, अधिकारी बैठे चुप्पी साधे

■ **बेबस मरीज कोरोना टेस्ट के डर से निजी दवाखाना में जाने को मजबूर**

गंडई पंडरिया। गर्मी का मौसम आते ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विभिन्न बीमारियां होने लगती है।लेकिन अभी वैष्विक वायरस कोरोना के चलते और बदलते बेमौसम के कारण प्राइवेट व सरकारी अस्पतालो मे मरीजो की लाइन लगी हुई है और प्राइवेट अस्पतालो मे तो देखा ही जा सकता है की एक सफाई करने वाले वर्कर के भरोसे ही क्लीनिक चल रही है और क्लीनिक पर संबंधित अधिकारी/डॉक्टरों का नजर नहीं आना उनकी आदत में सुमार हो चुका है। यहां सुबह आठ बजे से ओपीडी होने के चलते मरीज तो जांच कराने पहुंच जाते हैं, लेकिन क्लीनिक मे डॉक्टर नजर ही नहीं आते यहाँ मामला गंडई मुख्य चौक से कवर्धा रोड पर स्थित दवाखाना में देखा जा सकता है। जहाँ दवाखाना के बाहर एक सूची लगा हुआ है जहाँ लिखा है कि डॉक्टर साहब कोरेनटाइन में है लेकिन दवाखाना बिना डॉक्टर के कैसे चलेगा नही तो संक्रमण डॉक्टर ही इलाज कर रहे होंगे। पिछले कुछ दिनों से दवाखाना का मुख्य गेट बन्द है किसी की नजर भीड़ दिखाई ना दे इसके लिए बगल गली का दरवाजा खोलकर बेधड़क पेशेंट देख रहे है। जो कही ना कही प्रशासन की कमजोरी को इंगित करता है।

अंततः बेबस मरीज अपना इलाज कराकर हेल्पर जो दवाई लिखते है उसे लोग मेडिकल से खरीदकर मरीज चले जाते है। डॉक्टरों की इसी लापरवाह कार्यशैली का पता लगाने के लिए प्राइवेट अस्पतालो का दौरा किया और मरीजो का हाल जाना। जब नगर मे कवर्धा रोड स्थित प्राइवेट क्लीनिक मे पहुँचा तो मरीजो की लंबी लाइन लगी हुई मिली वही मरीजो से पूछा गया तो मरीजो का कहना था की इलाज के लिए डाक्टर के पास तो आए है लेकिन डाक्टर नहीं है इसके चलते हेल्पर से ही दवाईया लेकर जानी पड़ रही हैइस तरह डाक्टर व अधिकारियों पर सवालिया निशान लगने लगा है। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार क्लीनिक से डाक्टर को लगभग 10 दिन से गायब बताया जा रहा है। रोजाना सैकड़ों लोग यहां इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें डॉक्टरों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

> मुझे जानकारी नहीं थी इसकी जांच जल्द ही कराई जाएगी।
>
> **लवकेश ध्रुव,** एसडीएम
>
> अगर एमबीबीएस डाक्टर है तो वह क्लीनिक चला सकते है लेकिन डाक्टर की अनुपस्थिति मे क्लीनिक नहीं चलाया जाता यह नियम विरुद्ध है मुझे जानकारी नहीं थी आपके द्वारा जानकारी मिली है अगर ऐसा कुछ है तो जांच कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।
>
> **डॉ. मनीष बघेल,** बीएमओ छुईखदान

कोविड केयर अस्पताल में मरीजों ने भोजन को लेकर किया हंगामा

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिला कोविड केयर अस्पताल में मरीजों ने भोजन को लेकर आज फिर जमकर हंगामा किया. मरीजों का आरोप है कि उन्हें बासी खाना परोसा जा रहा है, जबकि कलेक्टर द्वारा भोजन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी मरीजों के आरोपों से कोई इतेफाक नहीं रखते.

जिला खाद्य एवं औषधीय अधिकारी तरुण बिरला जो कल से कोविड केयर अस्पताल में भोजन के नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे है. उनका कहना है कि भोजन बासी नही है, ठंडा भले ही हो सकता है. उन्होंने दावा किया कि वे सुबह से ही कोविड सेंटर की मैस में मौजूद है और अपनी आंखों के सामने खाने को बनवा रहे है. इसलिए वे दावे के साथ कह सकते है कि भोजन बासी नहीं है.

उधर कोविड सेंटर में हंगामा करने वाले मरीजों का आरोप है कि उन्हें बासी खाना परोसा जा रहा है. मरीजो ने खाने का आज फिर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया है. जिसमें उन्होंने प्लेटो में रखे भोजन की क्वालिटी ओर उसके बासी होने का सबूत पेश किया है.

हालांकि नोडल अधिकारी ने कोरोना से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस बीमारी में मरीजों के खाने का टेस्ट बदल जाता है. कोरोना में खाना बेस्वाद लगता है, हो सकता है इसलिए मरीजों को खाना अच्छा नहीं लग रहा होगा. लेकिन खाना ताजा है और आज उनकी देखरेख में ही वेंडर द्वारा मैस में मरीजो के लिए खाना तैयार किया गया है.

गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से कोविड सेंटर में खाने को लेकर हंगामा मचा हुआ है. कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर ने इसे गंभीरता से लिया है. उन्होंने कल ही इसके लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जो प्रतिदिन उन्हें मरीजों को दिए जाने वाले खाने की जांच कर लिखित रिपोर्ट पेश करेगा. यही नही आज कलेक्टर ने खुद खाने की जानकारी ली है. ऐसे में यह बता पाना बड़ा मुश्किल है कि सच्चाई क्या है. मरीजों की अपनी दलीलें ओर सबूत है वही नोडल अधिकारी के अपने दावे है।

इधर जिला प्रशासन ने बासी भोजन परोसने की खबरें को भ्रामक करार दिया है। प्रशासन के अनुसार गरियाबंद के डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल और कोविड केयर सेंटर में मरीजों को दिये जाने वाला भोजन ताजा और जांच कर दिया जा रहा है । खाद्य सुरक्षा अधिकारी तरुण बिड़ला ने बताया कि मरीजों को ताजा भोजन दिया जा रहा है ।बासी और खराब भोजन देने की खबरें भ्रामक है ।

उन्होंने कहा कि कलेक्टर के आदेश के पश्चात दोनों समय और नाश्ता की गुणवत्ता का वे स्वयं जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ ढाई सौ मरीजों को खाना दिया जा रहा है यह संभव है कि खाना ठंडा हो लेकिन बासी खाना कतई नहीं है । उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और कोविड अधिकारियों से मिलने के पश्चात मरीजों को दोनों पहर और नाश्ता गर्म ही दिए जाने की तैयारी है ।

15_Nav pradesh Page_08.qxd 15/04/2021 8:21 PM Page 1

तेलंगाना में कबूतर रेस का प्रतिभागी कबूतर दिशा भटक पहुंचा 360 किमी कोण्डागांव

सोमवार 12 अप्रेल को मिला था कबूतर,पैरों में लगे टैग के चलते लोगों में बना था कौतूहल का विषय

नीरज ऊइके

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय से लगे जामपदर मोहल्ले में एक कबूतर सोमवार को पकड़ा गया था, जिसके पैरों में रिंग लगे थे जिस पर कुछ लिखा हुआ था, जिसके चलते लोगों में वह कौतूहल का विषय बन गया था। दरअसल कबूतर के पैरों में अंग्रेजी व अन्य लिपि में कुछ लिखा हुआ नजर आ रहा था। जिससे लोग तरह तरह के कयास लगा रहे थे।

ज्ञात हो कि कोंडागांव जामपदर के रहने वाले अरुण खिलवारे के घर आँगन में सोमवार को एक कबूतर उतरा था जो काफी थका व भूखा प्यास नजर आ रहा था जिसके पैरों में कुछ लगा हुआ दिखाई देने पर उसे उत्सुकता वश पकड़ा लिया गया था।

कबूतर के पैरों में अंग्रेजी भाषा और अलग लिपि में कुछ लिखा हुआ होने के चलते संदिग्ध लगने के चलते उक्त कबूतर पकड़े जाने की सूचना उन्होंने तत्काल कोंडागांव पुलिस को दी वही सूचना मिलते ही पुलिस ने कबूतर को अपने कब्जे में ले लिया ।

8 अप्रेल को उड़ते 12 अप्रेल को कबूतर पहुंचा कोंडागाँव,रेस में किया जा रहा था उपयोग या थी कोई अन्य योजना

जिसके बाद जांच करते उक्त कबूतर को स्वास्थय परीक्षण व अन्य पता साजी के उद्देश्य से उपसंचालक पशु चिकित्सा को सौप दिया गया,जिसके बाद पशु चिकित्सा विभाग में पदस्थ डॉ नीता मिश्रा ने उक्त कबूतर पर जाँच करते उक्त विषय पर अपने सीनियर डॉक्टरों से सपर्क करने पर चेन्नई के वेटेनरी डॉक्टर ए चंद्रशेखर से जानकारी प्राप्त हुई कि यह कबूतर तेलंगाना से है तेलंगाना में शिरपुर एक ब्लॉक है जो भीम डिस्टिक के अंतर्गत आता है जहां 8 अप्रैल को एक खेल आयोजित किया गया था। जैसे बस्तर में मुर्गा लड़ाई होता है वैसे ही वहां पर कबूतर रेस का आयोजन किया जाता है जिसमें 10 कबूतर उड़ाए गए थे उसमें से एक कबूतर जो भटक कर यहां तक पहुंचा है।वही मिली जानकारी अनुसार उक्त कबूतर के मालिक की जानकारी भी मिल गई है जिससे संपर्क पर पी.वी.एस.सेल्वम से बात करने पर उन्होंने स्वीकार किया कि वह उनका कबूतर है व लीजन रेसिंग विजन सोसाइटी पर वह पंजीकृत है, वहीं उन्होंने कहा कि वे अपने कबूतर को वापस लेने आएंगे,संपर्क कर्ता अधिकारी से उन्होंने आग्रह किया है कि तब तक वह हिफ़ाजत में उसे अपनी कस्टडी में रखें ।उन्होंने कहा कि वह उनका पर्सनल कबूतर है,जिसे गेम परपस पर इस्तेमाल करते हैं।

उक्त कबूतर हमारे पास पुलिस विभाग के माध्यम से लाया गया है,जांच पर पता चला कि वो 2019 से प्रशिक्षित है,हो सकता है रेसिंग के दौरान रास्ता भटक कर यहाँ पहुंच गया हो व 350 किमी से ज्यादा दूरी के थकान व भूख प्यास के चलते उक्त स्थल पर उतर गया हो,फ़िलहाल वह स्वस्थ है बाकी जैसा पुलिस डिपार्टमेंट उचित समझे उसे उस के अकॉर्डिंग कार्यवाही करेगी।

डॉ. नीता मिश्रा, पशुचिकित्सालय, कोण्डागाँव

कोई भी सिक्योरिटी व अन्य गतिविधियों के लिए आज भी कबूतरो का उपयोग करते हैं वहीं संदेश आधार प्रदान के लिए भी उपयोग किया जा सकता है, वही बस्तर क्षेत्र में तेलंगाना का कबूतर मिला है जिस पर हर दृष्टि से जांच की जा रही है फ़िलहाल उक्त कबूतर रेसिंग कबूतर होने व रेसिंग के दौरान भटकते यहाँ पहुंचने की बात सामने आई है।

कपिल चंद्रा, एसडीओ(पी), कोण्डागाँव

कोरोना से बेखौफ : तालाब में इकठ्ठे हो रहे लोग

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा। कोरोना संक्रमण के मद्देनजर सभी जिलों में लॉकडाउन घोषित कर दिया गया है लेकिन खरोरा समीपस्थ ग्राम माठ में लोग अभी भी इसे मानने को तैयार नहीं है । लोगों की लापरवाही इस कदर हावी है कि एक ही तालाब में कई लोग इकठ्ठा नहा रहे हैं।

कोरोना मरीजों के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार के लिए शासन का आदेश जारी

खरोरा। पंचायत सचिवों को ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना मरीजों के पार्थिव शरीर के डिस्पोजल (अंतिम संस्कार) हेतु शासन द्वारा आदेश जारी किया गया है।

शासन द्वारा आदेशित सभी काम पंचायत सचिव करेंगे: सबसे पहले पंचायत संचिवो को कोरोना वारियर्स मानते है 50 लाख बीमा कवर हेतु शासन आदेश जारी करे।जिसका मांग प्रदेश पंचायत सचिव संघ अध्यक्ष श्री तुलसी साहू द्वारा लगातार शासन को पत्र लिख रहे है पर आज तक कोई जवाब शासन द्वारा नही मिला है ।

क्या पंचायत सचिवों का परिवार नही है: जान जोखिम में डालकर काम करते समय यदि कोई सचिव साथी किसी दुर्घटना या कोरोना संक्रमित होकर मृत हो जाये तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। पंचायत सचिव अपने 29 विभागों के कार्य ईमानदारी पूर्वक निर्वहन के साथ साथ समय समय पर शासन द्वारा जारी आदेश निर्देश का पालन करते आ रहे है ।आज भी हम पंचायतों में कोरोना संक्रमित मरीजों को होम आइसोलेशन ,दवाई वितरण ,प्रवासी मजदूरों का क्वारेटाइन सेंटर में व्यवस्था ,कोरोना टीकाकरण अभियान में घर घर जाकर लोगो को टीकाकरण हेतु जागरूक करना ये काम कर रहा है ।

वन्य जीव तेंदुआ के खाल समेत आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

नवप्रदेश संवाददाता

काला–भुरा रंग का निशान है, सिर से पुछ तक लम्बाई 143 सेमी. पेट की चैड़ाई 41 सेमी बाजार मूल्य करीबन 10 लाख रूपये

कोण्डागाँव। पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव सिद्धार्थ तिवारी के आदेशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अन्नत कुमार साहू के निर्देश तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोण्डागांव कपिल चन्द्रा के मार्गदर्शन में अपराधों की रोकथाम हेतु असामाजिक तत्वों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई थी कि दो व्यक्ति द्वारा वन्यप्राणी तेन्दुआ का खाल बिक्री हेतु कुम्हारपारा केंवटी जाने के रास्ते पर ग्राहक का इंतजार कर रहे है, सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव के आदेशानुसार अनुविभागीय अधिकारी कोण्डागांव कपिल के नेतृत्व में थाना कोण्डागांव एवं सायबर सेल से संयुक्त टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु रवाना किया गया।

संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर घेराबदी कर (1) रामेश्वर मरकाम पिता श्याम लाल मरकाम उम्र 37 साल जाति मुरिया निवासी डडीया पोस्ट मालाकोट थाना व जिला कोण्डागांव छ0ग0 (2) जैलुराम मरकाम पिता स्व0 जुमधर मरकाम उम्र 52 वर्ष जाति मुरिया निवासी मालाकोट थाना कोण्डागांव जिला कोण्डागांव छ0ग0 को पकड़कर पूछताछ कर तलाशी ली गई जिनके कब्जे से एक सफेद रंग के प्लास्टिक थैला में रखा एक नग वन्य जीव तेंदुआ का खाल जिसमें काला-भुरा रंग का निशान है, जिसके सिर से पुछ तक की लम्बाई 143 से0मी0 तथा पेट की चैड़ाई 41 सेमी बरामद किया गया। जिसकी कीमत करीबन 10 लाख रूपये है।

आरोपी रामेश्वर मरकाम और जैलुराम मरकाम का कृत्य वन्य प्राणी संरक्षरण अधिनियम 1972 की धारा 09,51 का अपराध घटित करना पाये जाने से उनके विरूद्ध थाना कोण्डागांव में अपराध क्रमांक 126/2021 धारा- वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धारा 09, 51के तहत पंजीबद्ध कर दिनांक 14 अप्रेल को शाम 6.30 बजे विधिवत् गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोण्डागांव उप निरीक्षक नरेन्द्र साहू, कैलाश केशवानी, भावनी सिंह चौहान , आनंद सोनी, सउनि ध्रुव सउनि बघेल सउनि कठार, बघेल, ध्रुव आर परसुराम वैद्य राजेश नाग,सायबर सेल से लूमन सिंह भण्डारी जितेन्द्र मरकाम का

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के हालत बद से बदतर

राजनांदगांव (नव प्रदेश)। 58 लाख ख़र्च करने के बावजूद भी मेडिकल कालेज की स्थिति आसमान से गिरे और खजूर पे लटके जैसी हो गई हैं। आक्सीजन की कमी के चलते पेंड्री स्थित अटल बिहारी मेडिकल कालेज में 2 दिन पहले आये 10 वेंटिलेटर अब तक चालू नहीं हो पाये हैं। ज्ञात रहे कि इन वेन्टीलेटरो को राजनांदगांव की जनता के पैसों से खरीद गया हैं। इस बारे में मेडिकल कालेज की डीन ने बताया कि आक्सीजन की कमी के चलते इन10 वेन्टीलेटरो को चालू नहीं किया जा सका हैं। उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी कलेक्टर महोदय को दे दी गई। इस बारे में कलेक्टर महोदय ने बताया कि मेडिकल कालेज पेंड्री में आक्सीजन की कमी तो हैं हम आक्सीजन की व्यवस्था कर रहे हैं आज शाम तक आक्सीजन आने पर 10 में से एक वेंटिलेटर को फ़िलहाल चालू किया जायेगा। बाकी वेन्टीलेटरो को भी बहुत जल्द चालू किया जायेगा। ABIS ग्रुप का कोविड आइसोलेशन सेंटर मेडिकल स्टाफ के आभाव के चलते अभी तक नहीं हो पाया चालू। शहर में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुवे एबिस ग्रुप के मुखिया बहादुर अली जी के नेतृत्व में अजीज पब्लिक स्कूल इंदामरा में 120 बिस्तरों का आइसोलेशन सेंटर आम जनता के लिये खोला गया हैं।

जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की बोलती बंद हैं

कोरोना के इस भयावह दौर में अस्पतालों की चौखट पर जिंदगी की भीख मांग रहे लोगो को सिवाय मौत के और कुछ भी नहीं मिल पा रहा हैं। सरकारी अस्पतालों में आक्सीजन, वेंटिलेटर बेड इंजेक्शन (रेमडीसीवीर) और अन्य दवाओं की कमी के चलते वहाँ भर्ती मरीजों की मौते हो रही हैं। ये सब कुछ जानते हुवे भी यहाँ के जनप्रतिनिधियों की बोलती बंद हैं।

निधन : श्री अश्विन अगाड़े

रायपुर। दैनिक नवप्रदेश के युवा पत्रकार व सह संपादक श्री अश्विन अगाड़े का निधन 14 अप्रैल की रात एम्स अस्पताल रायपुर में हो गया। श्री अगाड़े की दूसरी बार कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, जिसके बाद उन्हें एम्स अस्पताल रायपुर में भर्ती किया गया था। कल रात्रि उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी उपचार के दौरान उन्हें कोआर्डिक अटैक आया जिसके कारण उनकी मौत हो गई। श्री अगाड़े का निधन नवप्रदेश परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। दुःख की इस घड़ी में उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।

कोविड केयर सेंटर का बुरा हाल, नहीं सुधर रही व्यवस्था

अव्यवस्था से परेशान मरीज डिस्जार्ज होकर घर लौट रहे है, तीन दिनो में दो दर्जन मरीजो ने केयर सेंटर छोडा

■ **लापरवाही- खुले में फेक रहे केयर सेंटर का मेडिकल वेस्ट, साफ सफ़ाई की व्यवस्था बदहाल**

नवप्रदेश संवाददाता

अंबागढ़ चौकी। ब्लाक मुख्यालय में कोरोना संक्रमित मरीजो के उपचार के लिए संचालित कोविड केयर सेंटर की व्यवस्था में सुधार ही नही हो रहा है। यंहा की अव्यवस्थाओ से परेषान मरीज अब कोविड केयर सेंटर से छुटटी दिलाने की मांग कर रहे है। यंहा के बिगडे हालातो के चलते बीते तीन दिनो में यंहा से दो दर्जन से अधिक मरीजो ने केयर सेंटर से अपने को डिस्चार्ज करा लिया है। मरीजो का कहना है की वे यंहा जीने के लिए आए है मरने के लिए नही। केयर सेंटर की हालात इतनी खराब है की यंहा कल तक जीने वाला मरीज आज ही चल बसेगा। सबसे अधिक षिकायत डाक्टरो के केयर सेंटर में नही आने व उचित देखभाल नही करने को लेकर है। वैष्विक महामारी कोविड 19 कोरोना संक्रमण के दुसरे दौर में अंबागढ चैकी ब्लाक के कोविड पाजिटिव मरीजो के देखभाल व इलाज के लिए नगर के वार्ड 1 मेरेंगांव स्थित षासकीय कन्या षिक्षा परिसर छात्रावास को कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। 3 अप्रेल से पुनः प्रारंभ किए गए कोविड केयर सेंटर की अव्यवस्थाओ को लेकर मरीजो व उसके परिजनो में ही नही बल्कि केयर सेंटर में डयूटी करने वाले पुरूश स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ को भी गंभीर षिकायते है। बुधवार की षाम कोविड केयर सेंटर में भर्ती मरीजो ने स्थानीय मीडिया कर्मियो को षिकायत की केयर सेंटर के अंदर दिन भर में कोई आता है तो वह केवल एक सफ़ाई कर्मी आता है। मरीजो का कहना है की स्वास्थ्य संबधी कोई समस्या आने पर वे जब खिडकियो से डयूटी में मौजुद कर्मचारियो के सामने अपनी बात रखते है तो माईक सेट के माध्यम से ही उन्हे सलाह दे दी जाती है। मरीजो को इस बात की पीडा है की केयर सेंटर में स्वास्थ्य विभाग के डाक्टर एवं कर्मियो द्वारा मरीजो का बराबर देखरेख व ईलाज हनी किया जा रहा है। इसके कारण ही मरीज यंहा पर केयर सेंटर में रहना नही चाह रहे हे। वे अपने परिजनो के माध्यम से छुटटी मांग रहे हे। बीते तीन दिनो में यंहा से दो दर्जन से अधिक मरीजो ने अपने को डिस्चार्ज करा लिया है। यंहा की अव्यवस्थाओ से परेषान विकासखंण्ड के ग्राम चिखली निवासी केवलदास साहू ने आज केयर सेंटर से अपनी मां व छोटे भाई को घर ले जाने के लिए डिस्चार्ज करा लिया। श्री साहू ने बताया की उनकी मां चन्द्रिका बाई साहू व उनका भाई टोमेष्वर साहू कोरोना संक्रमित थे। उन्हे चार दिन पहले ही केयर सेंटर में भर्ती कराया गया था। लेकिन यंहा की अव्यवस्थाओ से वे परेशान थे।

नाश्ते में दिया जा रहा है फ्राई चांवल

कोविड केयर सेंटर में भर्ती मरीजो को यंहा पर खाने व नाष्ते की गुणवत्ता को लेकर भारी षिकायते है। बुधवार को चिखली के एक मरीज ने बताया की यंहा पर नाष्ते में रात का बचा हुआ बासी चावल को फ्राई करके दिया जा रहा हे। दाल के नाम पर केवल दाल का पानी दिया जा रहा है। दाल इस तरह पतली होती है की दाल को ढुंढना पडता है। खाने में मोटा चांवल दिया जाता है। वह भी अधपका रहता है। रोटिया भी कच्ची व गीली रहती है। सब्जी की भी गुणवत्ता ठीक नही है। मरीजो का आरोप है की इस महामारी के दौर व संकट के समय कोविड मरीज के लिए षासन से आ रहे भोजन व नाष्ते में भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कमीषनबाजी कर मरीजो के ही खाने में ही गुणवत्ता की चोरी कर रहे है। मरीजो ने बताया की यंहा पर गर्म पानी मांगने पर बडी मुष्किल से मिलता है।

कोविड केयर सेंटर के बाहर फेक दिए गए मेडिकल वेस्ट, संक्रमण का खतरा बढा

कोविड केयर सेंटर में उपयोग किया जाना वाली पीपीईटी किट, हेंड ग्लबस, मास्क एवं मेडिकल वेस्ट को केयर सेंटर के बाहर खुले में फेका जा रहा है। जिससे केयर सेंटर के आस पास रहने वाले कन्या षिक्षा परिसर कालोनी के कर्मचारियो एवं मेरेंगांव के नागरिको में संक्रमण फैलने का खतरा बढ गया है। नगर के मीडिया कर्मी पार्शद अविनाष कोमरे, जावेद खान, मोहन मलगामे ने बताया की केयर सेंटर में उपयोग किए गए पीपीई किट, एवं ग्लबस तथा मेडिकल वेस्ट को खुले में फेक दिया गया हे। इससे यह बात साफ़तौर पर प्रमाणित हो रहा है की कोविड केयर सेंटर में लापरवाहिया बरती जा रही है।

केयर सेंटर में अव्यवस्था का आरोप गलत है। बीएमओ का कहना है की केयर सेंटर में मरीजो के उपचार के लिए नियमित डाक्टर व कर्मचारी जा रहे है।

डॉ आर.आर.ध्रुवे, बीएमओ